Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 256 | शुक्रवार, 25 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

सीएम योगी का उपहार: लखनऊ में दस लाख लोगों को मिलेगा अपना घर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एलडीए की 10,680 एकड़ में वरुण विहार व नैमिष नगर योजनाओं का किया भूमिपूजन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में घर का सपना संजोने वालों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बड़ा उपहार दिया। मुख्यमंत्री ने आगरा एक्सप्रेसवे के निकट ग्राम दोना में आयोजित कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 12 हजार करोड़ रुपये की लागत से 10,680 एकड़ में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की वरुण विहार व नैमिष नगर योजनाओं का भूमिपूजन किया। इस दौरान सीएम योगी ने 4520 भूखंडों के लिए पंजीकरण का शुभारंभ और 2166 करोड़ से प्रस्तावित पांच मल्टीस्टोरी हाउसिंग प्रोजेक्ट्स (लेक व्यू, पार्क व्यू, ऐशबाग स्क्वॉयर, अनंत नगर योजना स्थित अदिति अपार्टमेंट व शारदा नगर विस्तार स्थित वागेश्वरी अपार्टमेंट) का शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर पौधरोपण भी किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की तरह लखनऊ में अब कट्टा-बम नहीं, बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है।

सभी के लिए लाभकारी होगी दोनों योजनाएं

सीएम ने कहा कि ये दोनों योजनाएं आने वाले समय में लखनऊ के विस्तार, संभावनाओं और सुरक्षित आवास की दृष्टि से लाई गई हैं। अध्ययनरत छात्रों, हेल्थकेयर में संभावनाओं को बढ़ाने वाले युवाओं, रोजगार की दृष्टि से राजधानी आने वालों और लखनऊ को भविष्य मानकर यहां जीवन व्यतीत करने का विचार रखने वाले नागरिकों के लिए ये दोनों आवासीय योजनाएं अत्यंत लाभकारी होंगी।

वरुण विहार से मिलेगी पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी

सीएम ने कहा कि लखनऊ व सीतापुर में अब दूरी नहीं होगी। यहां फोरलेन कनेक्टिविटी भी होगी। वरुण विहार के बीच से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी देंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारी सरकार में एलडीए व किसानों के बीच कोई मध्यस्थ नहीं रहेगा। योजनाओं में जिन भी किसानों को जमीन आएगी, उन्हें सीधे मुआवजा मिलेगा।

वरुण विहार व नैमिष नगर योजनाओं में 10 लाख से अधिक लोगों को मिलेगी आवासीय सुविधा

सीएम ने कहा कि किसी भी शहर के पश्चिम के दिग्पाल वरुण देवता होते हैं। वरुण विहार में 6500 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में छह लाख लोगों तथा 4100 एकड़ में नैमिष योजना के तहत 4 लाख लोगों को आवासीय सुविधा मिलेगी। सीएम ने नैमिषारण्य की महत्ता भी बताई, कहा कि आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने के लिए लखनऊ व सीतापुर के सीमावर्ती क्षेत्र में नैमिष नगर के रूप में एलडीए नई योजना लेकर आया है।

विकास की नई बुलंदियां छू रहा अटलजी के सपनों का लखनऊ

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटलजी के सपनों का लखनऊ विकास की नई बुलंदियों को छू रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, एयरपोर्ट, मेट्रो का विस्तार हो रहा है। पिछली सरकार की तरह यहां अब कट्टा और बम नहीं, बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है। जब हमारे जवान इसका इस्तेमाल करते हैं तो दुश्मन थर्रा उठता है। लखनऊ विकास की नई बुलंदियों को छुए, इसके लिए नई योजनाएं लाई जा रही हैं।

सीजेपी के संस्थापक दीपके ने मांगा सीईसी का इस्तीफा; जंतर मंतर पर फिर धरने की दी चेतावनी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने गुरुवार को चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है, और चेतावनी दी कि अगर 48 घंटे के अंदर ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो जंतर मंतर पर फिर से धरना देंगे। CJP के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया है कि CEC ने वोटर लिस्ट के SIR को लेकर चल रहे विवाद के बीच लोकतंत्र को कमजोर किया है। दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अभिजीत दीपके ने कहा, 'मुख्य चुनाव आयुक्त सबसे बड़े देशद्रोही हैं। ज्ञानेश कुमार इस देश के सबसे बड़े देशद्रोही है।' दीपके ने कहा, 'उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि वह भारत के लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दीपके ने वोट देने के हकदार लोगों को तय करने में चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए और कहा, 'हमारे देश में लोकतंत्र का क्या मतलब था? लोकतंत्र का मतलब था कि जनता सरकार चुनेगी।जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, सरकार यह तय कर रही है कि किसे वोट देने की इजाजत होगी और किसे नहीं।' दीपके ने सवाल पूछते हुए कहा, 'क्या यह लोकतंत्र है? लोकतंत्र की यह कैसी परिभाषा है? आपने लोकतंत्र की पूरी अवधारणा को ही उलट-पुलट कर दिया है।'

नोएडा डीएम मेधा रूपम को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को गौतम बुद्ध नगर की ज़िला मजिस्ट्रेट मेधा रूपम से जुड़े मामले में अपने आदेश में बदलाव किया और साफ किया कि छात्रा आकृति चौधरी को उनकी हिरासत के मामले में मिली राहत पर कोई रोक नहीं है। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी थी जिसमें DM रूपम को अप्रैल में नोएडा में हुए मजदूरों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत छात्रा को हिरासत में लेने के लिए अपनी सैलरी से 5 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया गया था। बुधवार को बेंच ने कहा कि मामले के गुण-दोष के आधार पर विचार होने तक, हाई कोर्ट के फैसले खासकर पैराग्राफ 27 से 33–के अमल पर रोक लगी रहेगी। अदालत ने आदेश दिया, पक्षों के सीनियर वकीलों की दलीलें सुनने के बाद, अदालत का मानना है कि जब तक मामले पर गुण-दोष के आधार पर सुनवाई नहीं हो जाती, तब तक विवादित फैसले खासकर पैराग्राफ 27 से 33–के अमल पर रोक लगी रहेगी। यह मामला दिल्ली यूनिवर्सिटी

से हिस्ट्री में ग्रेजुएट 25 साल की चौधरी से जुड़ा है, जिन्हें अप्रैल में नोएडा में हुए वर्कर्स के प्रोटेस्ट के सिलसिले में NSA के तहत हिरासत में लिया गया था। उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट में अपनी हिरासत को चुनौती दी थी। 2 सितंबर को हाई कोर्ट ने उनकी 'हेबियस कॉर्पस' (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका को मंजूरी दे दी और नजरबंदी के आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही, यह निर्देश भी दिया कि अगर किसी दूसरे मामले में उनकी जरूरत न हो, तो उन्हें रिहा कर दिया जाए। हाई कोर्ट ने चौधरी को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि यह रकम रूपम (जिन्होंने नजरबंदी का आदेश जारी किया था) और इस प्रक्रिया में शामिल अन्य अधिकारियों की सैलरी से वसूली जाए।

जमशेदपुर के मरीन ड्राइव पर खड़े ट्रक से टकराई कार, मंत्री की बेटी समेत 4 की मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। गुरुवार तड़के सोनारी पुलिस स्टेशन इलाके के मरीन ड्राइव पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवाओं की मौत हो गई। मरने वालों में झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह की बेटी त्रिशा सिंह भी शामिल थीं। यह हादसा सुबह करीब 3 बजे हुआ, जब चार युवाओं से भरी एक स्विफ्ट कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह पिचक गई और उसमें सवार चारों लोग अंदर ही फंस गए।

स्थानीय लोगों और पुलिस ने गैस कटर की मदद से कार को काटकर चारों पीड़ितों को बाहर निकाला। यह हादसा सोनारी पुलिस स्टेशन इलाके में डोमुहानी मरीन ड्राइव के पास हुआ। मरने वालों की पहचान त्रिशा सिंह, सार्थक अग्रवाल, नमन गुप्ता और वंशिका खंडेलवाल के तौर पर हुई है। ये चारों 12वीं क्लास के स्टूडेंट थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बुधवार रात करीब 10 बजे खराब होने के बाद एक भारी ट्रक मरीन ड्राइव के बीच में बिना किसी देखरेख के छोड़ दिया गया

था। गुरुवार तड़के, तेज रफ़्तार एक कार, जो बताया जा रहा है कि बेकाबू हो गई थी, खड़े ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और ट्रक के नीचे फंस गया। गाड़ी को भारी नुकसान पहुंचा और उसमें सवार सभी लोग अंदर ही फंस गए। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुँचे और बचाव अभियान शुरू किया। पीड़ितों के शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त गाड़ी में फँसे हुए थे और उन्हें बचाव उपकरणों की मदद से बाहर निकालना पड़ा। जमशेदपुर के DSP मनोज ठाकुर ने कहा कि एक स्विफ्ट कार के खराब होने के बाद सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकराने से हुए हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। यह हादसा गुरुवार को तड़के करीब 2 से 2:30 बजे के बीच हुआ। उन्होंने कहा कि हादसे की विस्तृत जानकारी के लिए आगे की जाँच चल रही है।

इस बीच, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर में NH हाईवे पर हुई सड़क दुर्घटना में मेरी सहयोगी और बहन, मंत्री दीपिका पांडे सिंह की बेटी और अन्य लोगों की मौत की बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली खबर से मैं बहुत दुखी हूँ।

अपनी संतान को खोने का दुख शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता और किसी भी माता-पिता या परिवार के लिए यह असहनीय होता है। इस बेहद मुश्किल घड़ी में, मेरी गहरी संवेदनाएं बहन दीपिका और पीड़ित परिवारों के साथ हैं।

इस कभी न पूरी होने वाली क्षति के लिए कोई शब्द नहीं हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और पीड़ित परिवारों को इस अपार दुख को सहने की शक्ति दें।

दानम नागेंदर की विधायक अयोग्यता बरकरार, सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कहा- जनता के बीच जाएंगे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तेलंगाना के अयोग्य घोषित विधायक दानम नागेंद्र ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें उनकी अयोग्यता के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि वह आगामी उपचुनाव में जनता का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दल-बदल विरोधी कानून के तहत उन्हें अयोग्य ठहराने के तेलंगाना हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट द्वारा बरकरार रखे जाने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, नागेंद्र ने खैराताबाद विधानसभा क्षेत्र को फिर से जीतने का भरोसा जताया। नागेंद्र ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। हम चुनाव लड़ेंगे। चुनाव लड़ना मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। निश्चित रूप से, मैं चुनाव लड़ूंगा और शानदार जीत हासिल करूंगा। नागेंद्र ने उन्हें निशाना बनाने वाली विपक्षी पार्टियों - भारत राष्ट्र समिति और भारतीय जनता पार्टी पर पलटवार करते हुए कहा उन्हें मेरी आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्हें यह देखना चाहिए कि उन्होंने पहले क्या

किया था।' सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को नागेंद्र की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने तेलंगाना हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसके तहत उन्हें विधानसभा सदस्य के तौर पर अयोग्य घोषित कर दिया गया था और खैरताबाद सीट को खाली घोषित कर दिया गया था। नागेंद्र ने नवंबर 2023 के विधानसभा चुनावों में इफ्र के टिकट पर यह सीट जीती थी, लेकिन बाद में वे सत्ताधारी कांग्रेस में शामिल हो गए और 2024 के लोकसभा चुनाव में सिकंदराबाद से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा। शीर्ष अदालत के इस फैसले के बाद तेलंगाना की राजनीति में तीखी प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है और विपक्ष ने कांग्रेस में शामिल होने वाले अन्य इफ्र विधायकों के इस्तीफे की मांग तेज कर दी है।

महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल को बड़ी राहत, एसीबी के कलीना लाइब्रेरी केस में एनसीपी नेता समेत सभी आरोपियों को किया बरी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट ने, जो टढर और टछअर से जुड़े मामलों की सुनवाई करती है, महाराष्ट्र के मंत्री और ठउढ नेता छगन भुजबल को भ्रष्टाचार के एक मामले में बरी कर दिया है। यह मामला मुंबई यूनिवर्सिटी के कलीना कैंपस में सेंट्रल लाइब्रेरी के कंस्ट्रक्शन कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ा था। यह केस एंटी-करप्शन ब्यूरो ने 2015 में तब दर्ज किया था, जब भुजबल महाराष्ट्र के पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के मंत्री थे। कोर्ट ने गुरुवार को भुजबल और दूसरे आरोपियों को बरी कर दिया। हालांकि, इस फैसले का विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं था।

ACB ने जून 2015 में मुंबई यूनिवर्सिटी के कलिना कैंपस में सेंट्रल लाइब्रेरी बनाने का कॉन्ट्रैक्ट देने में कथित गड़बड़ियों के सिलसिले में यह केस दर्ज किया था। उस समय ढहऊ मंत्री रहे भुजबल पर जांच एजेंसी ने आरोप लगाया था कि उन्हें इस कॉन्ट्रैक्ट के बदले कथित तौर पर

रिश्वत मिली थी। इसके बाद अउइ ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल की। उस समय एजेंसी के आरोपों के मुताबिक, भुजबल से जुड़े एक ट्रस्ट को किए गए पेमेंट का संबंध लाइब्रेरी प्रोजेक्ट का कॉन्ट्रैक्ट देने से था। आरोपियों ने इन आरोपों से इनकार किया था। यह मामला उन भ्रष्टाचार के मामलों में से एक था जो भुजबल के कार्यकाल के दौरान पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट द्वारा संभाले गए कॉन्ट्रैक्ट्स में कथित गड़बड़ियों की व्यापक जांच से सामने आए थे। यह मामला भुजबल और उस समय ढहऊ से जुड़े कई सरकारी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किया गया था। आरोपियों में गजानन सावंत (तत्कालीन सब-डिविजनल इंजीनियर), हरीश पाटिल (तत्कालीन एग्जीक्यूटिव इंजीनियर), अनिलकुमार गायकवाड़ (तत्कालीन सुपरिटेंडिंग इंजीनियर), संजय सोलंकी (तत्कालीन अंडर-सेक्रेटरी) और टर शाह (तत्कालीन कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट सेक्रेटरी) शामिल थे। दूसरे आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही भी स्पेशल कोर्ट में लंबित थी। ताजा आदेश के साथ, इस मामले के सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया है।

आईआईटी बॉम्बे में छात्र की मौत पर न्यायिक जांच की मांग, कांग्रेस के प्रदर्शन के बाद भारी सुरक्षा तैनात

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड़ के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के बाद, गुरुवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे के मुख्य गेट के बाहर भारी सुरक्षा इंतजाम किए गए और पुलिस बैरिकेड्स लगाए गए। यह विरोध प्रदर्शन दूसरे साल के छात्र साहिल वाकोडे की दुखद मौत के मामले में जवाबदेही और न्याय की मांग के लिए आयोजित किया गया था। वाकोडे की मौत से जुड़े हालात की पूरी और स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग करते हुए, वर्षा गायकवाड़ ने बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने छात्र के परिवार से बात की है और उन्हें पूरा समर्थन देने का भरोसा दिलाया है। राहुल जी ने परिवार से बात की और उन्हें भरोसा दिलाया हम आपकी लड़ाई लड़ेंगे और साहिल को न्याय दिलाकर रहेंगे। IIT बॉम्बे में यह कोई अकेली घटना नहीं है। ऐसी घटनाएं पहले भी कई बार हो चुकी हैं और हमने पूरी जांच की मांग की थी। हम देख रहे हैं कि शिक्षा का

व्यवस्थित रूप से फ्रर-करण किया जा रहा है, धार्मिक बंटवारे को बढ़ावा दिया जा रहा है और खुलेआम भेदभाव किया जा रहा है। जब हम यहां सवाल करने आते हैं, तो वे हमें चुप कराने और दबाने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल करते हैं। मेरा सवाल है: BJP ने शिक्षा व्यवस्था का क्या हाल कर दिया है? उन्होंने जोर देकर कहा कि यह दुखद घटना एक बड़े पैटर्न का हिस्सा है और आरोप लगाया कि जाति और धर्म की राजनीति की जा रही है। अहम प्रशासनिक पदों और वाइस-चांसलर की राजनीतिक नियुक्तियों की आलोचना करते हुए गायकवाड़ ने कहा कि इसकी पूरी जांच जरूरी है और शिक्षा व्यवस्था पर विचारधारा के इस कब्जे को खत्म करना होगा।

'वोट चोरी, कानून चोरी और संस्था चोरी', राहुल का पीएम मोदी, अमित शाह और सीईसी पर ट्रिपल अटैक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (उएउ) ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग से जुड़े रक्क्रविवाद पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान राहुल गांधी ने सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला।

राहुल गांधी ने कहा कि देश में संविधान और लोकतंत्र के बुनियादी ढांचे पर हमला हो रहा है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में वोट चोरी की गई। उन्होंने बीजेपी पर वोट चोरी और संस्था चोरी के आरोप लगाए।

बीजेपी के खिलाफ नहीं काम कर रही एंटी इनकंबेंसी

राहुल गांधी ने कहा कि भारत में हर सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर होती है। बांग्लादेश युद्ध जीतने के बाद इंदिरा गांधी जैसी दिग्गज नेता भी चुनाव हार गई थीं, फिर बीजेपी के खिलाफ यह एंटी-इनकंबेंसी काम क्यों नहीं करती? राहुल ने कहा कि यह हम

सभी के लिए एक सवाल है। हम समझ सकते हैं कि कोई आदमी पॉपुलर हो सकता है, लेकिन यह समझ नहीं आता है कि बीजेपी के समय एंटी इनकंबेंसी गायब हो जाती है। यह हर जगह होती है।

सभी पारित कानून गौरकानूनी

राहुल गांधी ने कहा कि वोट देश का फाउंडेशन है। वोट की रक्षा चुनाव आयोग करता है और इससे संविधान को शक्ति मिलती है। इसी से हमारे कानून बनते हैं, लेकिन वोट को खत्म करना संविधान को खत्म करना है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब वोट चुराकर सांसद संसद में पहुंचते हैं, तो उनके द्वारा बनाए गए सभी कानून गैरकानूनी हो जाते हैं। यह केवल वोटों पर हमला नहीं, बल्कि नागरिकों के नेता चुनने के बुनियादी अधिकार पर हमला है।

ज्ञानेश कुमार वोटिंग सिस्टम को नुकसान पहुंचा रहे

राहुल गांधी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार को पीएम मोदी और अमित शाह ने चुना था। अब आयोग के ही दो चुनाव आयुक्त कह रहे हैं कि ज्ञानेश कुमार वोटिंग सिस्टम को नुकसान पहुंचाने के जिम्मेदार हैं। दो चुनाव आयुक्त कह रहे हैं कि ज्ञानेश कुमार वोटिंग सिस्टम में डैमेज के जिम्मेदार हैं।

वोट चोरी से कानून चोरी होती है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है पीएम मोदी और अमित शाह ने ज्ञानेश कुमार को चुना था, इसलिए वह उनका बचाव कर रहे हैं।

संपादक की कलम

अंत्योदय : विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

ललित शर्मा
संपादक

भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है। 'अंत्योदय' दो शब्दों से बना है-'अंत्य' अर्थात सबसे अंतिम और 'उदय' अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है। भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में 'समावेशी मानव विकास' को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ 'सहायता से सशक्तिकरण' होना चाहिए।

असली = नकली

उदय कशोर साह

कविता

मुश्किल हुआ असली नकली की पहचान
चासनी में डुबोया है जिनकी भी जुवान
शब्द लब से निकलता है लेकर मिठास
पर मन में छुपा है कटुता भरी अविश्वाष

चेहरे पर झलकता है जालिम मुस्कान
नजर से दीख रहा है वो अति ही शैतान
देख सुनकर क्या करें आज अनुमान
जिह्वा से निकलता है बरबस विषयुक्त वाण

कैसे कैसे अवतरित हुए जग में इन्सान
मानवता के नाम पर उग आया है। हैवान
वैमनस्यता की जो फसल समाज उपजाये
इस भोले कायनात को अब कौन समझाये

दोस्ती के नाम पर मिलता। है विश्वाषघात
स्वार्थ की सब कर रहा है यहाँ पे। बात
धन दौलत का भूखा है ये जग में मेहमान
लुट खसोट की है जिन जिन की भी दुकान

मानवता लुप्त हो रहा है जग में श्रीमान
छेड़खानी हो रही है जहाँ भी सरेआम
गुण्डागर्दी की बन रही है युवा की पहचान
अब क्यों मौन है ओ मेरे इष्ट देव भगवान

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

एआई की अंधी दौड़ में अमेरिका-चीन को सताया युद्ध का खतरा

वीरेंद्र बहादुर सिंह
लेखक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की दौड़ में अमेरिका और चीन एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। दोनों देश सैन्य क्षेत्र में एआई के इस्तेमाल को तेजी से बढ़ा रहे हैं। लेकिन अब यही तकनीक दोनों महाशक्तियों को बातचीत की मेज पर भी ले आई है। चिंता यह है कि यदि किसी एआई प्रणाली ने युद्ध के दौरान गलत फैसला ले लिया, तो उसका परिणाम केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया को इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

अमेरिका और चीन के बीच एआई को लेकर बातचीत को एआई डायलॉग नाम दिया गया है। इसका उद्देश्य एआई की बढ़ती सैन्य क्षमताओं से पैदा होने वाले संभावित खतरों पर चर्चा करना और ऐसी व्यवस्था विकसित करना है, जिससे किसी तकनीकी गलती या गलत संकेत के कारण संघर्ष को बढ़ने से रोका जा सके।

फाइटर जेट में एआई का दिमाग

अमेरिका अपने फाइटर विमानों में एआई एजेंट लगाने का परीक्षण कर रहा है। इसका अर्थ यह नहीं है कि विमान में कोई रोबोट पायलट बैठा होगा। इसका मतलब है कि विमान के कंप्यूटर में ऐसी एआई प्रणाली लगाई जा रही है, जो आसपास की परिस्थितियों का विश्लेषण करके उड़ान से जुड़े कुछ निर्णय स्वयं लेने में सक्षम हो। एआई एजेंट विमान के कैमरों, रडार और दूसरे सेंसरों से मिलने वाली जानकारी को समझ सकता है। इसके आधार पर वह तय कर सकता है कि किस दिशा में जाना है, ऊंचाई बदलनी है या किसी संभावित खतरे से कैसे निपटना है। इस तरह की प्रणाली सामान्य ऑटोपायलट से आगे की तकनीक है, क्योंकि इसमें परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेने की क्षमता विकसित की जा रही है। अमेरिका ने अपने एफ-16 जैसे लड़ाकू विमान में इस तरह की तकनीक का परीक्षण किया है। फिलहाल विमान में मानव पायलट मौजूद रहता है, ताकि जरूरत पड़ने पर वह नियंत्रण अपने हाथ में ले सके। यानी अभी मशीन को पूरी तरह स्वतंत्र नहीं छोड़ा गया है। लेकिन सैन्य तकनीक जिस दिशा में बढ़ रही है, उसमें भविष्य के युद्धक विमानों में निर्णय लेने की जिम्मेदारी का बड़ा हिस्सा एआई को सौंपे जाने की संभावना पर चर्चा हो रही है। यहीं से एक बड़ा सवाल पैदा होता है। यदि दो देशों के सैन्य विमानों में ऐसी प्रणालियां लगी हों और किसी सेंसर, डेटा या सॉफ्टवेयर की गलती के कारण किसी विमान को गलत संकेत मिल जाए, तो मशीन बहुत तेजी से प्रतिक्रिया कर सकती है। इंसान स्थिति को समझकर निर्णय ले, उससे पहले ही कोई कार्रवाई हो जाए तो तनाव तेजी से युद्ध में बदल सकता है। एक दिमाग, सैकड़ों ड्रोन सैन्य क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल केवल लड़ाकू विमानों तक सीमित नहीं है। दुनिया के कई देश ऐसे हथियारों और ड्रोन प्रणालियों पर काम कर रहे हैं, जिन्हें एआई की मदद से संचालित किया जा सके। ड्रोन स्वार्म इसका एक उदाहरण है। इसमें दर्जनों या सैकड़ों छोटे ड्रोन अलग-अलग ऑपरेटरों द्वारा नियंत्रित नहीं होते, बल्कि एक समूह की तरह काम करते हैं। एआई उन्हें एक-दूसरे के साथ समन्वय करके उड़ने और परिस्थितियों के अनुसार अपनी दिशा बदलने में सक्षम बनाता है। पहले एक व्यक्ति रिमोट कंट्रोल से एक ड्रोन संचालित करता था। अब विकसित हो रही स्वार्म तकनीक में मशीन यह तय कर सकती है कि कौन-सा ड्रोन आगे बढ़ेगा, कौन पीछे रहेगा और कौन किसी लक्ष्य को घेरने की भूमिका निभाएगा। मान लीजिए 100 ड्रोन के समूह में से 10 ड्रोन नष्ट हो जाएं। ऐसी स्थिति में शेष ड्रोन अपनी संरचना और रणनीति बदलकर आगे बढ़ सकते हैं। इसे पक्षियों के झुंड से समझा जा सकता है, जो अचानक दिशा बदलते हैं और पूरा समूह उसी के अनुरूप अपनी स्थिति बदल लेता है। इस तकनीक का सैन्य लाभ यह है कि अपेक्षाकृत कम लागत वाले अनेक ड्रोन मिलकर महंगे सैन्य उपकरणों के सामने बड़ी चुनौती पैदा कर सकते हैं। लेकिन यही इसकी सबसे बड़ी चिंता भी है। यदि किसी ड्रोन समूह को गलत सूचना मिले या वह गलती से दूसरे देश के विमान, युद्धपोत या सीमा की ओर बढ़ जाए, तो सामने वाला देश यह तय करने में मुश्किल में पड़ सकता है कि यह तकनीकी गलती है या वास्तविक हमला। भविष्य के युद्ध में इंसान अकेला निर्णयकर्ता नहीं होगा। उसके साथ ऐसी मशीनें भी होंगी, जो इंसान की तुलना में बहुत कम समय में विशाल मात्रा में डेटा का विश्लेषण कर सकती हैं और प्रतिक्रिया दे सकती हैं। खतरा यहीं है। मशीन द्वारा लिया गया गलत फैसला बहुत तेजी से वास्तविक कार्रवाई में बदल सकता है। यदि एक देश की सैन्य एआई प्रणाली किसी कार्रवाई को हमला समझ ले और प्रतिक्रिया में हथियार सक्रिय कर दे, तो दूसरा देश भी जवाबी कार्रवाई कर सकता है। इसके बाद घटनाओं की एक श्रृंखला शुरू हो सकती है, जिसे रोकना कठिन होगा। इसी कारण अमेरिका और चीन एआई से जुड़े सैन्य जोखिमों को लेकर संवाद बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। दोनों देशों के सामने यह चुनौती है कि एआई की तकनीकी प्रतिस्पर्धा जारी रखते हुए ऐसी सीमाएं भी तय की जाएं, जिनका उल्लंघन होने पर स्थिति अनियंत्रित न हो। अमेरिका और चीन पहले ही इस बात पर सहमत हो चुके हैं कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का अंतिम निर्णय एआई को नहीं सौंपा जाएगा। परमाणु हथियारों से संबंधित अंतिम नियंत्रण मनुष्यों के हाथ में ही रहेगा। लेकिन अब चिंता केवल परमाणु बटन तक सीमित नहीं है। एआई का इस्तेमाल साइबर युद्ध, संचार व्यवस्था, बिजली ग्रिड, बैंकिंग प्रणाली और सैन्य कमांड नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में भी बढ़ रहा है। ऐसे में किसी एआई प्रणाली की गलती या किसी साइबर हमले की स्थिति में यह पहचानना कठिन हो सकता है कि घटना जानबूझकर की गई है या तकनीकी त्रुटि का परिणाम है। एआई प्रणालियां बहुत तेजी से काम करती हैं। यदि किसी देश की सैन्य या साइबर प्रणाली को यह संकेत मिले कि उस पर हमला हुआ है, तो जवाबी कार्रवाई का निर्णय कुछ ही क्षणों में लिया जा सकता है। ऐसे में इंसानों के बीच पारंपरिक बातचीत या फोन पर स्थिति स्पष्ट करने का समय भी नहीं मिल पाएगा। न्यूयार्क में अमेरिका के वित्त मंत्री और चीन के उपप्रधानमंत्री के बीच हुई लंबी बातचीत को भी इसी व्यापक संदर्भ में देखा जा रहा है। यह बैठक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की संभावित मुलाकात से पहले हुई थी। अमेरिका की ओर से दोनों देशों के बीच संकट के समय तत्काल सूचना के आदान-प्रदान की व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य ऐसी चेतावनी प्रणाली विकसित करना है, जिसके जरिए यदि एआई से जुड़ी किसी प्रणाली में गंभीर गड़बड़ी हो या कोई खतरनाक घटना घटे, तो दूसरा देश तुरंत इसकी जानकारी दे सके। ऐसी व्यवस्था युद्ध के दौरान गलतफहमी कम करने में महत्वपूर्ण हो सकती है। यदि किसी देश को तुरंत यह संदेश मिल जाए कि कोई घटना तकनीकी गलती के कारण हुई है और वह जानबूझकर किया गया हमला नहीं है, तो जवाबी कार्रवाई से पहले स्थिति स्पष्ट करने का अवसर मिल सकता है। एआई को लेकर एक बुनियादी चिंता यह भी है कि सामान्य एआई माडल भी कभी-कभी गलत जानकारी या गलत उत्तर दे सकते हैं। यदि किसी हथियार प्रणाली को नियंत्रित करने वाली तकनीक गलत डेटा के आधार पर निर्णय लेती है, तो उसके परिणाम कहीं अधिक गंभीर हो सकते हैं। हाल के संघर्षों में एआई आधारित लक्ष्य पहचान और स्वचालित सैन्य प्रणालियों के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठे हैं। किसी हमले में नागरिक ठिकाने को नुकसान पहुंचने की स्थिति में यह पता लगाना जरूरी होता है कि निर्णय किसने लिया, कौन-सा डेटा इस्तेमाल हुआ और मानव निगरानी किस स्तर पर मौजूद थी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता बनाम मानवीय रोजगार: विकास की मशीन कहीं मनुष्य को ही बेरोजगार न कर दे

एनके शर्मा
लेखक

मानव सभ्यता ने मशीनें इसलिए बनाईं कि मनुष्य का श्रम कम हो, जीवन सुगम बने और समय तथा ऊर्जा का उपयोग अधिक रचनात्मक कार्यों में किया जा सके। औद्योगिक क्रांति से लेकर कंप्यूटर और इंटरनेट तक तकनीकी विकास का मूल तर्क यही रहा है। लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता-विशेषकर जनरेटिव एआई-ने पहली बार इस प्रश्न को कहीं अधिक गंभीर बना दिया है कि यदि मशीन केवल हाथों का काम ही नहीं, बल्कि सोचने, लिखने, विश्लेषण करने, चित्र बनाने, अनुवाद करने, कोड लिखने और निर्णय में सहायता करने लगे, तो भविष्य के रोजगार में मनुष्य की भूमिका आखिर कितनी बचेगी?

यह भय केवल कल्पना नहीं है, लेकिन इसे तत्काल 'मनुष्य बनाम मशीन' का युद्ध मान लेना भी तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं होगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के 2025 के अध्ययन के अनुसार दुनिया के लगभग हर चार में से एक कर्मचारी ऐसे व्यवसाय में है, जिस पर जनरेटिव एआई का कुछ न कुछ प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि अध्ययन का निष्कर्ष यह है कि अधिकांश नौकरियां पूरी तरह समाप्त होने के बजाय उनके कार्य और स्वरूप बदलने की अधिक संभावना है। यहीं से असली चुनौती शुरू होती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह मनुष्य से तेज काम करती है। उसकी असली शक्ति यह है कि वह एक ही समय में विशाल मात्रा में सूचना संसाधित कर सकती है, पैटर्न पहचान सकती है और लगातार एक जैसे बौद्धिक कार्य कर सकती है। कार्यालयों में डेटा प्रविष्टि, दस्तावेज तैयार करना, ग्राहक सेवा, अनुवाद, लेखांकन, प्रारंभिक कानूनी शोध, विपणन सामग्री और अनेक प्रशासनिक कार्य अब तेजी से स्वचालित हो रहे हैं। क्छड के अनुसार लिपिकीय व्यवसाय सबसे अधिक प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में हैं, जबकि वित्तीय विश्लेषण, प्रोग्रामिंग और कुछ अन्य उच्च-कौशल वाले डिजिटल व्यवसायों में भी एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (क्टत्र) ने 2024 में अनुमान लगाया था कि वैश्विक रोजगार का लगभग 40 प्रतिशत एआई के प्रभाव के दायरे में आ सकता है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में यह हिस्सा लगभग 60 प्रतिशत तक हो सकता है, क्योंकि वहां ज्ञान-आधारित और संज्ञानात्मक कार्यों का अनुपात अधिक है। क्टत्रने यह भी स्पष्ट किया कि प्रभावित नौकरियों का एक हिस्सा एआई से उत्पादकता लाभ प्राप्त कर सकता है, जबकि दूसरे हिस्से में मानव श्रम की मांग घटने की आशंका है। इसका अर्थ यह है कि आने वाला संकट केवल 'नौकरी जाएगी या नहीं' का नहीं है। उससे बड़ा प्रश्न है-नौकरी की प्रकृति क्या होगी और उसका आर्थिक मूल्य किसके पास रहेगा? यदि एक कंपनी दस कर्मचारियों का काम दो एआई-सक्षम कर्मचारियों और कुछ सॉफ्टवेयर से करा सकती है, तो उत्पादन बढ़ सकता है, लागत घट सकती है और मुनाफा बढ़ सकता है। लेकिन उस बढ़ी हुई उत्पादकता का लाभ किसे मिलेगा? कंपनी, निवेशक, उपभोक्ता और तकनीक के मालिकों को-या उस कर्मचारी को जिसकी उत्पादकता मशीन ने कई गुना बढ़ा दी? यहीं तकनीकी प्रगति सामाजिक न्याय की कसौटी बन जाती है। विश्व आर्थिक मंच की Future of Jobs Report 2025 के अनुसार 2030 तक विभिन्न आर्थिक और तकनीकी बदलावों के कारण लगभग 17 करोड़ नए रोजगार पैदा होने और 9.2 करोड़ मौजूदा रोजगार विस्थापित होने का अनुमान है-अर्थात शुद्ध रूप से रोजगार बढ़ने का अनुमान है, लेकिन इसके साथ व्यापक श्रम-बाजार परिवर्तन भी होगा। इस आंकड़े का एक महत्वपूर्ण संदेश अक्सर छूट जाता है-नई नौकरी और पुरानी नौकरी एक ही व्यक्ति के लिए एक ही समय पर उपलब्ध नहीं होती। जिस व्यक्ति की नौकरी समाप्त होती है, जरूरी नहीं कि वह अगले दिन एआई इंजीनियर बन जाए। एक टाइपिस्ट को डेटा विश्लेषक बनने के लिए प्रशिक्षण चाहिए; एक पारंपरिक लेखाकार को डिजिटल वित्तीय प्रणालियां सीखनी होंगी; एक पत्रकार को एआई-सहायित शोध और सत्यापन के नए तरीकों में दक्ष होना पड़ेगा। इसलिए 'नई नौकरियां पैदा होंगी' कहना पर्याप्त नहीं है। असली प्रश्न है-क्या विस्थापित मनुष्य उन नई नौकरियों तक पहुंचने के लिए आवश्यक कौशल, शिक्षा और अवसर प्राप्त कर पाएगा?

यही चिंता विकासशील देशों के लिए और गंभीर है। मार्च 2026 में क्छड और विश्व बैंक के संयुक्त अध्ययन ने 135 देशों का विश्लेषण करते हुए चेताया कि कई विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में डिजिटल अवसंरचना और कौशल की कमी के कारण एआई से होने वाला व्यवधान उत्पादकता लाभ से पहले दिखाई दे सकता है। भारत जैसे विशाल युवा श्रमबल वाले देश के लिए यह प्रश्न इसलिए निर्णायक है क्योंकि यहां तकनीकी परिवर्तन के साथ रोजगार सृजन की चुनौती पहले से मौजूद है। यदि एआई केवल उत्पादकता बढ़ाता है लेकिन पर्याप्त नए रोजगार नहीं बनाता, तो आर्थिक वृद्धि और रोजगार वृद्धि के बीच दूरी बढ़ सकती है। सकल घरेलू उत्पाद बढ़े, कंपनियों का मुनाफा बढ़े, डिजिटल सेवाएं बढ़ें-लेकिन यदि बड़ी संख्या में युवाओं की आय स्थिर रहे या रोजगार असुरक्षित हो जाए, तो विकास का सामाजिक अर्थ अधूरा रह जाएगा। दूसरी ओर एआई को रोक देना भी समाधान नहीं है। तकनीक को रोकने से वैश्विक प्रतिस्पर्धा नहीं रुकेगी। इसलिए प्रश्न 'एआई आए या न आए' का नहीं, बल्कि एआई किसके लिए, किस शर्त पर और किस सामाजिक व्यवस्था के भीतर काम करेगा, इसका है। भविष्य की अर्थव्यवस्था में शिक्षा की भूमिका भी बदलनी होगी। केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं रहेगा। रचनात्मक सोच, समस्या-समाधान, संचार, मानवीय संवेदना, नेतृत्व, नैतिक निर्णय, तकनीकी समझ और लगातार नया सीखने की क्षमता अधिक महत्वपूर्ण होगी। विश्व आर्थिक मंच भी तकनीकी कौशल के साथ रचनात्मक सोच, लचीलापन और अनुकूलन जैसी मानवीय क्षमताओं को महत्वपूर्ण मानता है। लेकिन सारी जिम्मेदारी कर्मचारी पर डाल देना भी अन्याय होगा। यदि कंपनियां एआई से अरबों रुपये की उत्पादकता प्राप्त करती हैं तो उन्हें कर्मचारियों के पुनःप्रशिक्षण, संक्रमण और रोजगार-सुरक्षा में भी निवेश करना चाहिए। सरकारों को डिजिटल शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, सामाजिक सुरक्षा और श्रम कानूनों को नए तकनीकी युग के अनुरूप बनाना होगा। और समाज को यह तय करना होगा कि तकनीकी संपदा से पैदा हुई अतिरिक्त समृद्धि केवल पूंजी के पास केंद्रित होगी या उसका हिस्सा व्यापक समाज तक भी पहुंचेगा। सबसे बड़ा खतरा शायद बेरोजगारी से भी आगे का है-काम की गरिमा का क्षरण।

मनुष्य केवल वेतन के लिए काम नहीं करता। रोजगार उसे आत्मसम्मान, सामाजिक पहचान, उद्देश्य और स्वतंत्रता देता है। यदि मशीनें उत्पादन का अधिकांश काम करने लगें और मनुष्य के पास उपयोगी आर्थिक भूमिका सीमित हो जाए, तो प्रश्न केवल आय का नहीं, बल्कि सामाजिक अस्तित्व का भी होगा। इसलिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मानव का प्रतिस्पर्धी बनाने के बजाय मानव की क्षमता का विस्तार करने वाला साधन बनाना होगा। मशीन गणना कर सकती है, लेकिन समाज को यह तय करना होगा कि उस गणना का उपयोग किस उद्देश्य के लिए होगा। मशीन भाषा बना सकती है, लेकिन सत्य और असत्य के बीच जिम्मेदार निर्णय अभी भी मानवीय संस्थाओं का प्रश्न है। मशीन चित्र बना सकती है, संगीत रच सकती है और कोड लिख सकती है, लेकिन मनुष्य के जीवन का उद्देश्य किसी एल्गोरिद्म से निर्धारित नहीं किया जा सकता। वास्तविक विकास वह नहीं जिसमें मशीनें अधिक सक्षम और मनुष्य अधिक अनावश्यक होते जाएं। वास्तविक विकास वह है जिसमें मशीनें मनुष्य का श्रम हल्का करें, उसकी क्षमता बढ़ाएं और उसके जीवन को अधिक सम्मानपूर्ण बनाएं।

आने वाले दशक में सभ्यता की सबसे बड़ी परीक्षा यह नहीं होगी कि हमने कितनी बुद्धिमान मशीनें बना लीं। परीक्षा यह होगी कि हमने उस कृत्रिम बुद्धिमत्ता से कितने बुद्धिमान सामाजिक और आर्थिक निर्णय लिए। यदि तकनीक का लाभ कुछ हाथों में सिमट गया और रोजगार का जोखिम करोड़ों लोगों पर डाल दिया गया, तो विकास की मशीन सचमुच मनुष्य को ही अपने रास्ते से हटाने लगेगी। लेकिन यदि एआई की उत्पादकता को शिक्षा, कौशल, सामाजिक सुरक्षा, बेहतर वेतन और व्यापक आर्थिक अवसरों से जोड़ा गया, तो वही मशीन मानव श्रम की दुश्मन नहीं, उसकी सबसे शक्तिशाली सहयोगी बन सकती है। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि मनुष्य मशीन को हरा पाएगा या नहीं। असली प्रश्न यह है कि मनुष्य मशीन की शक्ति को किस दिशा में मोड़ेगा-मानव-मुक्त अर्थव्यवस्था की ओर या मानव-सशक्त अर्थव्यवस्था की ओर।

प्रिंसिपल मजबूत विद्यालय समुदाय कैसे बनाते हैं

डॉ विजय गर्ग
लेखक

विद्यालय केवल कक्षाओं, पाठ्यपुस्तकों, परीक्षाओं और इमारतों का नाम नहीं है। यह एक ऐसा समुदाय है जहाँ विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक और विद्यालय का स्टाफ एक साझा उद्देश्य के साथ मिलकर काम करते हैं। ऐसी विद्यालय संस्कृति बनाने में प्रिंसिपल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, जहाँ हर व्यक्ति स्वयं को सम्मानित, महत्वपूर्ण और जिम्मेदार महसूस करे। मजबूत विद्यालय समुदाय की शुरूआत विश्वास से होती है। जो प्रिंसिपल धैर्यपूर्वक सुनता है, खुलकर संवाद करता है और सभी के साथ निष्पक्ष व्यवहार करता है, वह ऐसा वातावरण बनाता है जहाँ शिक्षक और विद्यार्थी अपने विचार तथा चिंताएँ बिना झिझक व्यक्त कर सकते हैं। विश्वास केवल निदेशों से नहीं बनता; यह निरंतर अच्छे व्यवहार और कार्यों से विकसित होता है।

प्रिंसिपल अपने उदाहरण से नेतृत्व करके भी विद्यालय को मजबूत बनाता है। समय की पाबंदी, अनुशासन, ईमानदारी, विनम्रता और समर्पण तभी अधिक प्रभावशाली बनते हैं, जब विद्यालय का प्रमुख स्वयं इन गुणों को अपने व्यवहार में अपनाता है। जब शिक्षक अपने प्रिंसिपल में इन गुणों को देखते हैं, तो वे भी अपने कार्य में इन्हें अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारी टीमवर्क को प्रोत्साहित करना है। शिक्षकों को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि वे अलग-अलग काम कर रहे हैं, बल्कि उन्हें एक शैक्षिक परिवार के सदस्य के रूप में कार्य करना चाहिए। नियमित विचार-विमर्श, सामूहिक योजना, सफल शिक्षण-पद्धतियों को साझा करना और मिलकर समस्याओं का समाधान करना पेशेवर संबंधों को मजबूत करता है तथा शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार ला सकता है। विद्यार्थी विद्यालय समुदाय के केंद्र में होने चाहिए। प्रिंसिपल क्लबों, खेलों, सांस्कृतिक गतिविधियों, विज्ञान परियोजनाओं, सामाजिक सेवा कार्यक्रमों और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ा सकता है। जब विद्यार्थियों को जिम्मेदारियाँ दी जाती हैं, तो उनमें आत्मविश्वास, सहयोग और विद्यालय से जुड़ाव की भावना विकसित होती है।

अभिभावक भी विद्यालय समुदाय के महत्वपूर्ण भागीदार हैं। परिवारों के साथ प्रभावी संवाद विद्यालय और घर के बीच एक मजबूत पुल बनाता है। अभिभावक-शिक्षक बैठकें केवल अंकों या परीक्षा परिणामों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इनके माध्यम से विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया, व्यवहार, रुचियों और समग्र विकास को समझने का अवसर मिलना चाहिए। एक मजबूत प्रिंसिपल यह भी समझता है कि विद्यालय के प्रत्येक सदस्य की अपनी विशेषताएँ और आवश्यकताएँ होती हैं। शिक्षकों की सराहना करना, स्टाफ का सहयोग करना और विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सम्मान देना सकारात्मक वातावरण बनाता है। प्रशंसा के कुछ शब्द भी किसी व्यक्ति को अधिक आत्मविश्वास के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। अंततः, मजबूत विद्यालय समुदाय समय के साथ निर्मित होते हैं। इसके लिए धैर्य, संवेदनशीलता, पारदर्शिता और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। एक प्रभावी प्रिंसिपल केवल समय-सारिणी, रिकॉर्ड और संसाधनों का प्रबंधन करने वाला प्रशासक नहीं होता, बल्कि वह ऐसा नेतृत्वकर्ता होता है जो लोगों को एक साझा शैक्षिक उद्देश्य से जोड़ता है।

जब प्रिंसिपल विश्वास का निर्माण करता है, टीमवर्क को बढ़ावा देता है, लोगों की बात सुनता है और अपने आचरण से नेतृत्व करता है, तब विद्यालय केवल एक संस्था नहीं रहता। वह एक ऐसा सहयोगी समुदाय बन जाता है जहाँ विद्यार्थी सीखते हैं, शिक्षक आगे बढ़ते हैं और प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को विद्यालय का महत्वपूर्ण हिस्सा महसूस करता है।

एससी-एसटी आयोग सदस्य ने की जनसुनवाई

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य रमेश चन्द्र कुण्डे ने लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान आयोग सदस्य ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को समयबद्ध एवं निष्पक्ष न्याय मिले। उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया कि गरीब, मजदूर तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जनसुनवाई के उपरान्त आयोग सदस्य रमेश चन्द्र कुण्डे ने जनपद के संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में उन्होंने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण, पीड़ितों को न्याय तथा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोग का प्रमुख उद्देश्य समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों को उनके अधिकार दिलाना और उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एससी/एसटी वर्ग से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करते हुए प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। आयोग सदस्य ने एडीपीआरओ राजीव कुमार मौर्य से जनपद में सफाई कर्मचारियों की स्थिति एवं उनके कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवव्रत सिंह, ईओ नगर पालिका के प्रतिनिधि संतोष सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

घायल की मदद कर अस्पताल पहुंचाया, फिर लौटाए 17 हजार रुपये

कांधला। ईमानदारी और इंसानियत आज भी जिंदा है। इसकी मिसाल क्षेत्र में देखने को मिली, जहां सड़क हादसे में घायल युवक की मदद करने के साथ ही एक व्यक्ति ने उसके बिखरे हुए करीब 17 हजार रुपये सुरक्षित रखकर परिजनों को वापस लौटा दिए। इस ईमानदारी की क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है।थाना क्षेत्र के दिल्ली-सहारनपुर रोड पर शहजाद नाम का व्यक्ति सड़क हादसे में घायल होकर सड़क पर पड़ा था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे ग्राम भारसी निवासी मनोज पवार ने घायल को देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक ओंकार नाथ पांडे मौके पर पहुंचे। मनोज पवार और पुलिसकर्मी ने निजी वाहन से घायल को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।बताया गया कि हादसे के दौरान घायल के कुछ रुपये सड़क पर बिखर गए थे। मनोज पवार ने सभी रुपये इकट्ठा कर सुरक्षित रख लिए। बाद में घायल के परिजन अस्पताल पहुंचे तो उन्होंने करीब 17 हजार रुपये उन्हें वापस सौंप दिए।

ब्लॉक भगतपुर टांडा के सभी विद्यालयों में धूमधाम से मनाया गया मीना का जन्मदिन

वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित सिंह के निर्देशन और खंड शिक्षा अधिकारी भगतपुर-टांडा राजेश कुमार चतुर्वेदी के नेतृत्व में गुरुवार को विकासखंड के सभी उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में मीना का जन्मदिन उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान मीना मंच के माध्यम से छात्राओं को केंद्र में रखकर विभिन्न शैक्षिक, सांस्कृतिक और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

खंड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि मीना दिवस मनाने का उद्देश्य बालिकाओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ उनमें आत्मविश्वास पैदा करना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाना है। कार्यक्रमों के माध्यम से बालिकाओं के शत-प्रतिशत नामांकन, विद्यालय में नियमित ठहराव और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया। साथ ही मीना की प्रेरणादायक कहानियों के माध्यम से छात्राओं को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया गया। विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय पदिया नगला, संविलियन विद्यालय नकटपुरी कलां, उच्च प्राथमिक विद्यालय ठिरियादान, उच्च प्राथमिक विद्यालय चक भीमराव, कंपोजिट विद्यालय डूंगरपुर, कंपोजिट विद्यालय लालपुर बराही, उच्च प्राथमिक विद्यालय चक कचनाल और कंपोजिट विद्यालय पीपलसाना समेत सभी उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों में छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

हापुड़ देहात पुलिस ने अंतरराज्यीय शराब तस्कर गिरोह का किया पदार्फाश, एक तस्कर गिरफ्तार

44 पेटी हरियाणा मार्का अवैध शराब और तस्करी में प्रयुक्त क्रेटा कार बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। अपराध की रोकथाम और अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हापुड़ देहात पुलिस ने अंतरराज्यीय शराब तस्कर गिरोह का पदार्फाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 44 पेटी हरियाणा मार्का अवैध शराब बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 3.75 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा शराब तस्करी में प्रयुक्त क्रेटा कार भी पुलिस ने बरामद की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान परवीन कुमार पुत्र बलराज निवासी ग्राम लोवा कलां, थाना बहादुरगढ़, जनपद झज्जर, हरियाणा के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से बरामद शराब में 9वन रम, 111 ऐस, 999 पावर स्टार ग्रीन और 9वन व्हिस्की ग्रीन शामिल हैं। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त क्रेटा कार संख्या डीएल 12 सीएन 4845 को भी कब्जे में लिया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि वह हरियाणा से अवैध शराब लाकर बिहार में सप्लाई करता था। बिहार में शराबबंदी के कारण वहां अवैध शराब की अधिक कीमत मिलने पर वह इसकी तस्करी कर आर्थिक लाभ कमाता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और अवैध शराब की तस्करी के नेटवर्क के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

रानीगंज की सड़क समस्याओं को लेकर अपर मुख्य सचिव से मिले नि0 विधायक धीरज ओझा

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

विधानसभा क्षेत्र-250 रानीगंज, प्रतापगढ़ के निवर्तमान विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा ने आज लखनऊ में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रानीगंज विधानसभा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न जनहित के विषयों पर चर्चा करते हुए सड़क संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए दो पत्र सौंपे तथा इन मामलों में आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया।

मीडिया प्रभारी आयुष महेंद्र ने बताया कि विधायक जी द्वारा सौंपे गए पहले पत्र में रामापुर-रहेटुआ-परशुरामपुर-परसामऊ संपर्क मार्ग की विशेष मरम्मत का विषय रखा गया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि विधानसभा क्षेत्र रानीगंज, प्रतापगढ़ के अंतर्गत उक्त संपर्क मार्ग अत्यंत जर्जर हो चुका है। जनहित में सुगम आवागमन हेतु उसके विशेष मरम्मत कार्य के लिए संबंधित को आदेशित किए जाने का अनुरोध किया गया है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि दूसरे पत्र में जनपद प्रतापगढ़ के सरायराजा-पुरैला-सहिजनपुर-बलिकरनगंज मार्ग के चौड़ीकरण/सुधरीकरण का विषय उठाया गया है।

पत्र में कहा गया है कि विधानसभा क्षेत्र रानीगंज, प्रतापगढ़ के अंतर्गत अन्य जिला मार्ग सराय राजा-पुरैला-सहिजनपुर-बलिकरनगंज, जिसकी दूरी लगभग 8 किलोमीटर है, को जनहित में चौड़ीकरण हेतु आगणन शासन को प्रेषित किए जाने के लिए संबंधित को आदेशित करने की कृपा की जाए। अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा ने कहा कि क्षेत्रवासियों की समस्याओं के समाधान एवं विकास कार्यों को गति दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत हूँ। रानीगंज विधानसभा क्षेत्र से जुड़े जनहित के विषयों को शासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने का क्रम निरंतर जारी रहेगा।

यूपीआई भुगतान पर शुल्क लगाने के प्रस्ताव का व्यापारियों ने किया विरोध

कांधला (मोहसिन रहमानी)। कस्बे के व्यापार मंडल ने यूपीआई के माध्यम से दो हजार रुपये से अधिक के व्यापारिक डिजिटल भुगतान पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत व्यापारी एमडीआर लगाए जाने का विरोध जताया है। मंडल की ओर से प्रधानमंत्री, केंद्रीय वित्त मंत्री और जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपकर इस प्रस्ताव को वापस लेने की मांग की गई। बृहस्पतिवार को कस्बे के व्यापार मंडल के पदाधिकारी ईश्वर दयाल कंसल व सचिन गोयल ने कहा कि यूपीआई ने देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और व्यापार को सरल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। छोटे और मध्यम व्यापारियों ने भी इसका व्यापक उपयोग किया है। व्यापार मंडल का कहना है कि अतिरिक्त शुल्क लागू होने से व्यापारियों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और इसका असर उपभोक्ताओं पर भी पड़ सकता है।मंडल ने छोटे व्यापारियों को इस शुल्क से पूरी तरह मुक्त रखने, शून्य शुल्क व्यवस्था को और प्रभावी बनाने तथा डिजिटल भुगतान प्रणाली के संचालन और साइबर सुरक्षा की लागत के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है। साथ ही व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों से विचार-विमर्श कर निर्णय लेने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर इसे वापस नहीं लिया जाता तो व्यापार मंडल आंदोलन के लिए मजबूर होगा।

15 नवंबर के दलित सम्मेलन को लेकर सपा ने कसी कमर, हुई महत्वपूर्ण बैठक

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। आगामी 15 नवंबर 2026 को आगरा में प्रस्तावित विशाल दलित सम्मेलन की तैयारियों एवं रूपरेखा को लेकर गुरुवार को उत्सव गार्डन, असौड़ा पैठ, मेरठ-हापुड़ रोड पर समाजवादी पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं सर्वसमाज के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। बैठक के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय महासचिव रामजी लाल सुमन रहे।

उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी के सभी साथियों को पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरना होगा तथा पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों सहित पीडीए वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि आगामी दलित सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना सभी कार्यकताओं की जिम्मेदारी है। समाजवादी पार्टी जनपद हापुड़ के जिलाध्यक्ष आनंद गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मौजूद कार्यकताओं ने संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का संकल्प लिया। जिलाध्यक्ष आनंद गुर्जर ने कहा कि हापुड़ जनपद की तीनों विधानसभा सीटों पर पार्टी को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ता पूरी मेहनत और एकजुटता के साथ कार्य करेंगे। बैठक के उपरांत मुख्य अतिथि रामजी लाल सुमन मेरठ और बागपत में आयोजित बैठकों में शामिल होने के लिए रवाना हुए। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सर्वसमाज के लोग मौजूद रहे।

नौ साल पुराने मामले में अमर पाल को उम्रकैद, दो आरोपी बरी

कांधला। करीब नौ वर्ष पुराने मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट ऋतु नागर की अदालत ने फैसला सुनाते हुए एक आरोपी को दोषी करार दिया है। अदालत ने गढी श्याम निवासी अमरपाल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। वहीं, मामले में आरोपी सुरेंद्र पुत्र जानेश्वर और सुंदर पुत्र प्रेम को अदालत ने साक्ष्यों के आधार पर दोषमुक्त कर दिया।मामले की सुनवाई करीब नौ वर्षों तक चली। इस दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष की ओर से अदालत के समक्ष विभिन्न साक्ष्य और दलीलें प्रस्तुत की गईं। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों तथा दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार करने के बाद अदालत ने अमर पाल को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई, आरोपी ने नौ वर्ष पूर्व गंगेरू के समीप घर जाते समय छात्रा सोनी पर ताबड़तोड़ धारदार हथियारों से हमला कर उसकी निर्मम हत्या कर दी थी।

कांग्रेस का कुनबा बढ़ा, विपिन कुमार ने ग्रहण की पार्टी की सदस्यता, जिला कांग्रेस कमेटी में सचिव पद की मिली जिम्मेदारी

वेलकम इडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। मोदीनगर रोड निवासी विपिन कुमार ने गुरुवार को जिला कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश त्यागी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली।इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने विपिन कुमार को पार्टी का पटका पहनाकर उनका स्वागत किया। इसके साथ ही उन्हें जिला कांग्रेस कमेटी में सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपते हुए मनोनयन पत्र भी प्रदान किया गया। नवनियुक्त जिला सचिव विपिन कुमार ने कहा कि पार्टी ने जिस आशा और विश्वास के साथ उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने के लिए वह पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करेंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने पार्टी कार्यकताओं से अपने-अपने घरों पर कांग्रेस का झंडा लगाने की अपील करते हुए संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।इस दौरान पूर्व धौलाना विधानसभा प्रत्याशी पंडित अरविंद शर्मा, एससी-एसटी प्रदेश सचिव रश्मि चौधरी, सुखपाल गौतम, यशपाल ढीलोर, गौरव गर्ग, देवेंद्र कुमार, बॉबी त्यागी, गोपाल भारती, महबूब अली सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कबड्डी प्रतियोगिता में चंदन लाल नेशनल इंटर कॉलेज की टीम विजयी

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। नगर के रेलवे मार्ग स्थित हिंदू इंटर कॉलेज में गुरुवार को तहसील स्तरीय बालक कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य उदयवीर सिंह, मुख्य अतिथि अशोक कुमार, संजीव कुमार, कपिल पंवार, कोच यशपाल, राकेश, पिंस गौत्तम, ज्ञानेन्द्र जावला, कमलेश कुमार सिंह और रवि पंवार ने संयुक्त रूप से किया। प्रतियोगिता के तीनों आयु वर्गों में श्री ंदन लाल नेशनल इंटर कॉलेज, कांधला की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 और अंडर-19 वर्ग में हिंदू इंटर कॉलेज, कांधला की टीम दूसरे स्थान पर रही। वहीं अंडर-17 वर्ग में मुरली मनोहर इंटर कॉलेज, ईशपुरटील की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम के खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक, खिलाड़ी और अन्य लोग मौजूद रहै।

शराब के नशे में गाली-गलौज का विरोध करने पर खूनी संघर्ष

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव नाला में शराब के नशे में गाली-गलौज करने का विरोध करने पर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट में आधा दर्जन महिला-पुरुष घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित पक्ष ने मेडिकल परीक्षण कराने के बाद थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव नाला निवासी राजकुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका पड़ोसी युवक शराब पीने का आदी है। आरोप है कि बृहस्पतिवार को शराब के नशे में युवक गली में गाली-गलौज कर रहा था। राजकुमार ने जब उसे गाली-गलौज करने से रोका तो आरोपी ने फोन कर अपने परिवार के कई लोगों को मौके पर बुला लिया।

बाबूगढ़ पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर चोर, शाहपुर जट्ट की मकान चोरी का खुलासा

आभूषण, नकदी, अवैध तमंचा-कारतूस व घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। अपराध की रोकथाम एवं चोरों तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस ने ग्राम शाहपुर जट्ट स्थित एक मकान में हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का सामान, नकदी, अवैध तमंचा-कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की है। पुलिस के अनुसार थाना बाबूगढ़ में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 248/2026, धारा 305(ए) बीएनएस से संबंधित चोरी की घटना का खुलासा करते हुए अभियुक्त को एनएच-9 से ग्राम फतेहपुर-कुचेसर चौपला रोड से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान आसिफ उर्फ लालबाल पुत्र जमील निवासी मोहल्ला निवाजीपुरा, सिकन्दरगेट, थाना हापुड़ नगर, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से पीली धातु की एक लॉग, सफेद धातु की एक जोड़ी पायल, 2,230 रुपये की नकदी, एक अवैध तमंचा मय एक जिंदा कारतूस 315 बोर तथा घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध विभिन्न संगीन धाराओं में अन्य जनपदों सहित करीब दो दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना बाबूगढ़ पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

युवा कांवड़ सेवा एवं 13वें श्री गणेश महोत्सव में उमड़ी श्रद्धा, भव्य झांकियों ने मोहा मन

वेलकम इडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

गाजियाबाद। 56 गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत डबल स्टोरी, विवेकानंद नगर में आयोजित युवा कांवड़ सेवा एवं 13वें श्री गणेश महोत्सव के अवसर पर भगवान श्री गणेश जी की भव्य एवं मनमोहक झांकियों के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।इस पावन अवसर पर भगवान श्री गणेश जी की विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख, शांति, समृद्धि एवं सभी के मंगलमय जीवन की कामना की गई। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं भक्ति का माहौल देखने को मिला।आयोजन से जुड़े युवा साथियों, श्रद्धालुओं एवं आयोजक मंडल को इस भव्य एवं भक्तिमय आयोजन के सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश के जयकारे लगाते हुए वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

मुख्यमंत्री ने निम उत्तरकाशी के चार सफल पर्वतारोहण अभियानों का फ्लैग-इन किया

माउंट एकांकागुआ और नुन-कुन पर्वत श्रृंखला की चोटियों पर सफल आरोहण करने वाले पर्वतारोहियों का सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम), उत्तरकाशी द्वारा संचालित चार सफल पर्वतारोहण अभियानों का फ्लैग-इन किया। इनमें जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स, पहलगाम के साथ संयुक्त रूप से संचालित माउंट एकांकागुआ अभियान भी शामिल रहा। मुख्यमंत्री ने सभी पर्वतारोहियों को सफल अभियानों के लिए बधाई दी। उन्होंने चुनौतीपूर्ण उच्च पर्वतीय परिस्थितियों में उनके साहस, अनुशासन, तकनीकी दक्षता और टीम भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि पर्वतारोहियों की उपलब्धियां उत्तराखंड के साथ देश के युवाओं को भी साहसिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि निम ने पर्वतारोहण, साहसिक खेलों, युवा विकास और उच्च हिमालयी प्रशिक्षण के क्षेत्र में देश और प्रदेश में महत्वपूर्ण पहचान बनाई है। संस्थान युवाओं को पर्वतारोहण एवं साहसिक गतिविधियों का उच्चस्तरीय प्रशिक्षण देने के साथ उनमें साहस, नेतृत्व, अनुशासन और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता भी विकसित कर रहा है। माउंट एकांकागुआ, जिसकी ऊंचाई 6,961 मीटर है और जो अर्जेंटीना में स्थित है, के लिए निम और जिम एंड डब्ल्यूएस के संयुक्त अभियान का नेतृत्व कर्नल हेम चंद्र सिंह ने किया। छह सदस्यीय अभियान दल ने 22 फरवरी 2026 को शिखर पर सफल आरोहण किया। इस अभियान को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक से फ्लैग ऑफ किया था। वहीं नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के नुन-कुन अभियान-2026 का नेतृत्व संस्थान के प्रधानाचार्य कर्नल एस.एस. राजपुरोहित ने किया। अभियान दल ने 15 अगस्त 2026 को 7,077 मीटर ऊंची माउंट कुन चोटी पर सफल आरोहण किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हासिल की गई यह उपलब्धि अभियान दल के लिए विशेष रही। इसके बाद दल ने 26 अगस्त को 5,908 मीटर ऊंची माउंट डेल्टा-41 तथा 31 अगस्त को 7,135 मीटर ऊंची माउंट नुन चोटी पर भी सफल आरोहण किया। इस प्रकार अभियान दल ने एक ही अभियान के दौरान नुन-कुन पर्वत श्रृंखला की तीन प्रमुख चोटियों पर सफल आरोहण कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियां पर्वतारोहण और साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं प्रदान करती हैं। ऐसे अभियानों की सफलता से युवाओं को साहसिक खेलों से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी और उत्तराखंड की पहचान राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होगी। इस अवसर पर विशेष प्रमुख सचिव खेल एवं युवा कल्याण अमित कुमार सिन्हा, निम के प्रधानाचार्य कर्नल एस.एस. राजपुरोहित, जिम एंड डब्ल्यूएस पहलगाम के प्रधानाचार्य कर्नल हेम चंद्र सिंह, कैप्टन जी. संतोष कुमार सहित निम के अधिकारी और विभिन्न पर्वतारोहण अभियानों के सदस्य मौजूद रहे।

नाथद्वारा से बनकर आए चांदी के पात्र का कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने किया अनावरण

अलौकिक छप्पन भोग की तैयारियां तेज, नीलम-पुखराज जड़ित मोरपंखी और हीरा जड़ित स्वर्ण बांसुरी धारण करेंगे गिरिराज प्रभु

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर 25 सितंबर को गोवर्धन की तलहटी में आयोजित होने वाले अलौकिक छप्पन भोग महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इस बार गिरिराज प्रभु के भव्य श्रृंगार की तैयारियां की जा रही हैं। प्रभु नीलम और पुखराज जैसे रत्नों से जड़ी मोरपंखी धारण करेंगे, जबकि सोने की हीरा जड़ित बांसुरी भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। कृष्ण सभागार में आयोजित समारोह में जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने नाथद्वारा से बनकर आए प्रभु को अर्पित किए जाने वाले चांदी के पात्र का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण ने इंद्र का मान मर्दन कर ब्रजवासियों की रक्षा की थी। इसी परंपरा में ब्रजवासी श्रद्धा और भक्ति के साथ गिरिराज प्रभु को छप्पन भोग अर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण प्रेम, स्नेह और सद्भाव के प्रणेता हैं तथा उनका जीवन मानवता को निश्छल प्रेम का संदेश देता है।

इससे पूर्व गिरिराज सेवा समिति के संस्थापक मुरारी अग्रवाल ने प्रभु की छवि पर माल्यार्पण किया। उन्होंने बताया कि इस बार गिरिराज प्रभु सोने की हीरा जड़ित बांसुरी धारण करेंगे। महामंत्री अशोक कुमार आढ़तिया ने बताया कि तीन दिवसीय अलौकिक छप्पन भोग महोत्सव के लिए कोलकाता और ओडिशा के कारीगरों द्वारा भव्य ब्रह्मांड तैयार किया जा रहा है। 24 सितंबर को पंचरत्नम महाभिषेक के साथ स्वामी श्री हरिदास संगीत समारोह का आयोजन होगा, जिसमें देश के प्रमुख संतूर वादक और अन्य कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। छप्पन भोग महोत्सव के मुख्य संयोजक राघवेंद्र गर्ग ने बताया कि प्रभु का विशेष श्रृंगार सोने-चांदी और सप्त रत्नों से किया जाएगा। इनमें हीरा, पन्ना, मोती, नीलम, गोमेद, पुखराज और माणिक सहित अन्य रत्न शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि थाईलैंड, मलेशिया और मॉरीशस से मंगाए गए फूलों से तलहटी को सजाया जाएगा। जगह-जगह शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुतियां भक्ति रस का वातावरण बनाएंगी। उन्होंने बताया कि पंचरत्नम महाभिषेक में गंगा, यमुना, कृष्णा, चिनाब, गोदावरी, नर्मदा और ब्रह्मपुत्र समेत सात नदियों के पवित्र जल के साथ कामधेनु गाय के दूध और जड़ी-बूटियों का प्रयोग किया जाएगा। 25 सितंबर को सबसे पहले ब्रज के साधु-संतों के लिए भोज का आयोजन होगा। इसके बाद दोपहर तीन बजे से रात 12 बजे तक श्रद्धालुओं को गिरिराज प्रभु के दर्शन होंगे। अनावरण समारोह में संरक्षक राजेंद्र कुमार सर्राफ, कोषाध्यक्ष भगवान दास खंडेलवाल, मुख्य संयोजक राघवेंद्र गर्ग, संयोजक अनमोल बंसल, दिनेश मंगल, श्री हरिदास संगीत समारोह के संयोजक कृष्ण कुमार कन्नू सर्राफ, सुनील बंसल सर्राफ, राकेश गर्ग आढ़ती, नीरज गोयल तथा अलीगढ़ के संयोजक लल्लू सिंह सहित समिति के अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

जनपद न्यायाधीश ने सम्प्रेक्षण गृह में किशोरों को वस्त्र वितरित कर बढ़ाया उत्साह

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गुरुवार को राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर, मथुरा में जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा विकास कुमार द्वारा सदन में निवासित किशोरों को टी-शर्ट, लोवर एवं इनर गार्मेन्ट्स वितरित किये गये। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश महोदय ने किशोरों से संवाद करते हुए उन्हें जीवन में सही मार्ग पर चलने तथा किसी एक क्षेत्र का चयन कर उसमें अपना मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किशोर अपने साथ हुई घटना को पीछे छोड़कर इस सदन में मिले अवसर का सदुपयोग करें तथा यहां से जाते समय अपने साथ कोई न कोई उपयोगी कौशल अवश्य लेकर जाएं, जिससे वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें। माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा सदन में उपस्थित अध्यापक को किशोरों को नियमित रूप से सामान्य ज्ञान की जानकारी एवं शिक्षा प्रदान करने के लिए भी निर्देशित किया गया, ताकि किशोरों के ज्ञान एवं व्यक्तित्व का समुचित विकास हो सके। कार्यक्रम के दौरान अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट परविन्दर सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा श्रीमती अनीता सिंह, सिविल जज जूनियर डिविजन प्रत्युष आनन्द मिश्रा एवं जिला प्रोवेशन अधिकारी, मथुरा विकास चन्द्र सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा सदन में निवासित किशोरों को मिठाई भी वितरित की गयी।

मेरे सपनों का भारत चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया हुनर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। विकास खंड बलदेव के पूर्व माध्यमिक विद्यालयों, पीएम श्री स्कूलों एवं केजीबीवी विद्यालयों में 'मेरे सपनों का भारत' चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कल्पनाओं और प्रतिभा को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसी क्रम में पूर्व माध्यमिक विद्यालय किशनपुर में नोडल एआरपी गीता रावत ने प्रतियोगिता का अवलोकन किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं द्वारा बनाए गए चित्रों को देखा और बच्चों से संवाद कर उनकी कल्पनाओं एवं विचारों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों तथा विद्यालय स्टाफ की सराहना की। विद्यालय परिसर में स्वच्छता एवं बेहतर वातावरण देखकर गीता रावत ने विद्यालय परिवार को बधाई दी। उन्होंने बच्चों को भविष्य के लिए प्रेरित करते हुए नियमित रूप से मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करने पर जोर दिया तथा उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के दौरान भाजपा द्वारा नामित पदाधिकारीगण भी विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह, वीरेंद्र, अभिभावक मोर मुकुट, श्याम सुंदर, भीम प्रकाश, प्रधानाध्यापक कृष्ण कुमार शर्मा, राम प्रकाश, ओम नारायण, राजेंद्र, योगेश कुमार, कृष्णकांत, सरिता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

175 लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दिया परामर्श

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/फरह। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सूर्या फाउंडेशन एवं गोस्वामी चिकित्सालय, दीनदयाल धाम के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सर्वोदय हॉस्पिटल मथुरा के विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं चिकित्सा टीम ने क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार संबंधी सुझाव दिए।शिविर में कुल 175 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीनदयाल धाम के निदेशक सोनपाल, गोस्वामी चिकित्सालय के संचालक डॉ देवेन्द्र गोस्वामी, सूर्या फाउंडेशन के क्षेत्र प्रमुख आदर्श मिश्रा, सर्वोदय हॉस्पिटल मथुरा के डॉ कुशाल गुप्ता (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ अतुल चौधरी (इंटरनल जनरल फिजिशियन), डॉ श्वेता पनवार (स्त्री रोग विशेषज्ञ) व मैनेजमेंट से अनुज गोस्वामी के द्वारा भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर स्वास्थ्य शिविर कैंप का शुभारंभ किया गया। स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की बीपी, शुगर, थायराइड, हीमोग्लोबिन सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई। जांच के बाद चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार आवश्यक परामर्श दिया तथा उपचार संबंधी सुझाव प्रदान किए।शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस अवसर पर सूर्या फाउंडेशन के क्षेत्र प्रमुख आदर्श मिश्रा ने कहा कि सूर्या फाउंडेशन ग्राम विकास के लिए आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत पांच प्रमुख आयामों शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, समरसता एवं स्वावलंबन पर पूरे देश में कार्य कर रहा है। इसी क्रम में स्वास्थ्य आयाम के अंतर्गत 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' के सेवा भाव को लेकर सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के साथ-साथ उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए समय-समय पर स्वास्थ्य जांच और जागरूकता कार्यक्रम आवश्यक हैं। गोस्वामी चिकित्सालय के संचालक डॉ देवेन्द्र गोस्वामी ने सर्वोदय हॉस्पिटल से आए चिकित्सकों एवं चिकित्सा टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से लोगों को अपने स्वास्थ्य की समय पर जांच कराने और विशेषज्ञ चिकित्सकों से उचित मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिलता है। शिविर के दौरान राजकुमार झा, भगवत स्वरूप, सौम्य कुमार, रवीना, रूबी चौहान, तन्नू कुमारी, यतेंद्र कुमार, हरीश सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

धान की पराली जलाने पर 30 हजार रुपये तक क्षतिपूर्ति

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। धान की कटाई का सीजन शुरू होते ही मथुरा में पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने निगरानी और कार्रवाई तेज कर दी है। प्रशासन ने किसानों को फसल अवशेष न जलाने की सख्त हिदायत दी है। नियमों का उल्लंघन करने पर खेत के रकबे के आधार पर 5 हजार से 30 हजार रुपये तक क्षतिपूर्ति वसूली जा सकती है। प्रशासन की ओर से ग्राम प्रधानों को पत्र भेजकर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। तहसील और विकासखंड स्तर पर निगरानी समितियों के साथ सचल दस्ते भी सक्रिय किए गए हैं। पराली जलाने की घटनाओं पर नजर रखने के लिए जिला स्तरीय निगरानी प्रकोष्ठ गठित किया गया है। राजस्व विभाग के अनुसार दो एकड़ से कम भूमि पर पराली जलाने पर 5 हजार रुपये, दो से पांच एकड़ तक 10 हजार रुपये और पांच एकड़ से अधिक भूमि पर 30 हजार रुपये तक क्षतिपूर्ति वसूली जा सकती है। प्रशासन ने कृषि, राजस्व, पंचायती राज, ग्राम्य विकास, खाद्य एवं रसद, नगर विकास, पशुपालन, शिक्षा और पुलिस विभाग को भी निगरानी एवं जागरूकता की जिम्मेदारी दी है। कंबाइन हार्वेस्टर संचालकों को भी बिना एसएमएस लगाए धान की कटाई नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। उप निदेशक कृषि आवेश कुमार सिंह ने किसानों से अपील की है कि वे पराली को खेत में न जलाएं और फसल अवशेष प्रबंधन के लिए उपलब्ध वैकल्पिक उपायों का इस्तेमाल करें। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे पराली जलाने के बजाय कृषि यंत्रों और अन्य वैज्ञानिक तरीकों से फसल अवशेषों का प्रबंधन करें। अधिकारियों ने कहा कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ मिट्टी की उर्वरता भी प्रभावित होती है। किसानों को जागरूक करने के लिए गांवों में अभियान चलाया जा रहा है।

अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने मनाया विश्व फार्मासिस्ट दिवस, एमएलसी योगेश नौहवार को सौंपा अपना नौ सूत्रीय मांग पत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन की ओर से 'विश्व फार्मासिस्ट दिवस' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी योगेश नौहवार उपस्थित रहे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर निगम मथुरा-वृंदावन के उप सभापति मुकेश सारस्वत, ब्लॉक प्रमुख बलदेव प्रतीक सिंह भरंगर, मथुरा के औषधि निरीक्षक प्रेम पाठक, एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव विष्णु यादव ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार ने एमएलसी योगेश नौहवार को दिए मांग पत्र में उत्तर प्रदेश में फार्मासिस्टों के रिक्त पदों पर भर्ती करने, होलसेल दबा व्यवसाय में फार्मासिस्टों की अनिवार्यता करने, कैशलेश स्वास्थ्य कार्ड जारी करने जैसी फार्मासिस्टों की प्रमुख मांगों को उठाते हुए मुख्यमंत्री के समक्ष मांगों को रख उनका निस्तारण कराने को कहा। एमएलसी नौहवार ने फार्मासिस्टों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वे इस समुदाय के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं और हितों को सदन के पटल पर मजबूती से रखेंगे तथा मुख्यमंत्री जी के समक्ष भी इन विषयों को प्रमुखता से उठाएंगे। यह आयोजन फार्मासिस्ट समुदाय के अधिकारों और उनकी कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, जिसमें सभी अतिथियों ने स्वास्थ्य सेवा में फार्मासिस्टों के योगदान की सराहना की। इस अवसर पर सुनील कुमार प्रदेश सचिव टीचर्स विंग, अनुराग शर्मा जिलाध्यक्ष मथुरा, शैलेन्द्र सिंह, मुनेश गोर, राजबहादुर सिंह, रवी कश्यप, कृष्णकांत अग्रवाल, भरत शर्मा, योगेश शर्मा, गजेंद्र सिंह, विष्णु शर्मा, देवेंद्र सिंह, लोकेंद्र सिंह, इमरान, प्रवीन यादव, जितेंद्र, अब्दुल, युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा सहित सैंकड़ों फार्मासिस्ट उपस्थित रहे।

अपनी मांगों के लिए 28 सितम्बर से जिला मुख्यालय पर अनिश्चित कालीन धरने पर बैठेंगे शिक्षा मित्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के प्रदेश संगठन द्वारा शिक्षा मित्रों की मांगों के लिए प्रदेश के समस्त जनपदों में 28 सितम्बर से अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। जनपद मथुरा से संघ के जिला अध्यक्ष खेमसिंह चौधरी ने बताया कि वर्षों से शिक्षा मित्रों की मांगे लम्बित है अधिकारी सरकार को गुमराह कर रहे हैं , एक ओर जहां शिक्षकों को स्पेशल टेट कराया जा रहा है वहीं वर्षों से बेसिक शिक्षा विभाग में कार्य कर रहे शिक्षा मित्रों को इससे वंचित रखा गया है , शिक्षक भर्ती के जारी विज्ञापन में भी शिक्षा मित्रों को भारांक नहीं दिया जा रहा है जबकि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार शिक्षा मित्रों को शिक्षक भर्ती में भारांक दिए जाने के आदेश दिए गए हैं। 3 जनवरी 2025 को शिक्षा मित्रों को मूल विद्यालय वापसी एवं महिला शिक्षा मित्रों को उनके ससुराल के नजदीक जनपदीय एवं अंतर जनपदीय स्थान्तरण किये जाने का शासनादेश हुआ था लेकिन अभी तक शिक्षा मित्रों के स्थान्तरण एवं मूल विद्यालय वापसी के आदेश का पालन नहीं किया गया है। जनपद में 3 अगस्त को संगठन द्वारा मूल विद्यालय वापसी के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया गया था और लिखित में अगस्त माह में मूल विद्यालय वापसी की सूची आदेश जारी करने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक आदेश का पालन नहीं किया गया है। जहां शिक्षको की सेवा निवर्ती आयु 62 वर्ष है वही शिक्षा मित्रों को 60 वर्ष की आयु पर ही सेवा निवर्त किया जा रहा है अतः शिक्षा मित्रों की सेवा निवर्ती आयु भी 62 वर्ष की जाए। 26 वर्षों से बेसिक शिक्षा में अपनी सेवाएं देते आ रहे शिक्षा मित्रों का भविष्य आज भी अंधकार में है जबकि शिक्षा मित्र शिक्षक की सभी योग्यताएं रखते हैं इसलिए शिक्षा मित्रों को नियमित किया जाए। इन्हीं सभी मांगो के लिए प्रदेश नेतृव के निर्देशानुसार जनपद मथुरा में शिक्षा मित्र 28 सितम्बर से जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट धरना स्थल पर वट वृक्ष के नीचे अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन करेंगे।

दिलों में अकीदत गूंजती रही गौस-ए-आजम की शान

शेरपुर कलां में निकला जुलूस-ए-गौसिया, जगह- जगह हुआ इस्तकबाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। हजरत अब्दुल कादिर जीलानी गौसे आजम की याद में गुरुवार को शेरपुर कलां में जुलूस-ए-गौसिया अकीदत और एहतराम के साथ निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। जुलूस के दौरान उलमा- ए-कराम की तकरीरों और नातख्वानी से माहौल गूंजता रहा। जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया। सुरक्षा और शांति व्यवस्था के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा। टीटीएस के तत्वावधान में जामा मस्जिद से शुरू हुआ जुलूस मुख्य मार्ग, नौगमा, नवदिया और कुरैशियान से होता हुआ जामा मस्जिद मैदान पहुंचा, जहां जुलूस का समापन किया गया। जुलूस के दौरान टीटीएस की ओर से व्यवस्थाओं की देखरेख की गई। लोगों से शांतिपूर्वक जुलूस में शामिल होने और व्यवस्था बनाए रखने की अपील की जाती रही।

जुलूस में शामिल अकीदतमंदों के बीच धार्मिक नारों के साथ नात-ए-पाक और तकरीरों का सिलसिला चलता रहा। जामा मस्जिद के इमाम मौलाना तहसीन रजा ने हजरत गौसे आजम की जिंदगी और उनकी शिक्षाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोगों को बुजुर्गों की जिंदगी से नेक रास्ते पर चलने, सच्चाई अपनाने और अच्छे आचरण की सीख लेनी चाहिए। मौलाना साजिद रजा ने हजरत गौसे आजम की सीरत पर रोशनी डालते हुए नमाज की पाबंदी और नेक जिंदगी गुजारने की अपील की। हाफिज आसिफ रजा ने कहा कि हजरत अब्दुल कादिर जीलानी ने सच्चाई और नेक आचरण की मिसाल पेश की। उन्होंने लोगों से गौसे पाक की शिक्षाओं और नेक रास्ते को अपनाने का आह्वान किया।हाफिज अनीस ने भी गौसे आजम की जिंदगी और उनके संदेश पर विचार रखे। मौलाना बासिल जफर ने भी उनकी शिक्षाओं पर अमल करने और समाज में भाईचारा कायम रखने की बात कही।जुलूस के समापन के बाद देश में अमन-ओ-अमान, आपसी भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआ की गई। आयोजकों ने कहा कि धार्मिक कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में नेक संदेश, भाईचारा और शांति की भावना को मजबूत करना है। इस दौरान तकी खां, नईम एडवोकेट, हाजी रियाजतनूर खां, जैगम खां, फैय्याज अहमद, अनवर खां, मीनू बरकाती, नदीम रजा, दिलशाद खां, सलमान खां, उवैस बरकाती, समद हसन, जुनैद खां, फरहान रजा, अजीम बेग, इमरान, मुज्जमिल खां, जुनैद शेरी, रेहान खां, नदीम हसन, मुन्ना खां, अनीस खां, शोएब खां, सिकंदर, फरहान कुरैशी, तौफीक खां, उवैस खां, निजामुद्दीन, मुदस्सिर, युसूफ, अमानत, रजबल खां, इन्शाद खां, हाफिज शाहिद रजा, अहमद, यूनूस एडवोकेट, अमान, गुफरान, उजैफ, यूनूस खां, रेहान रजा आदि मौजूद रहे।

ग्राम पंचायतों की लंबित धनराशि जारी करने समेत पांच मांगें

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। ग्राम पंचायतों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर जिला निगरानी समिति के सदस्य एवं ग्राम प्रधान संगठन की ओर से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया है। डॉ. पवन मिश्र ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से भेजकर पंचायतों से जुड़ी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों और जनहित से जुड़ी योजनाओं के संचालन में धनराशि समेत कई व्यावहारिक दिक्कतें सामने आ रही हैं। पंचायतों को मिलने वाली केंद्रीय वित्त की लंबित धनराशि जल्द जारी कराने की मांग की गई है, ताकि विकास और जनहित के कार्य प्रभावित न हों। इसके अलावा मनरेगा के तहत कराए गए कार्यों की लंबित धनराशि, सामग्री मद समेत अन्य बकाया भुगतान कराने की मांग की गई है। ज्ञापन में स्थानीय जरूरत और जनहित को देखते हुए विकास कार्यों की स्वीकृति की व्यवस्था पूर्व की तरह ग्राम पंचायत स्तर से किए जाने की मांग भी शामिल है। ग्राम पंचायतों में नियुक्त प्रशासकों को कार्यकाल के दौरान उचित मानदेय देने तथा आकस्मिक पंचायत राहत कोष को दोबारा बहाल करने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि राहत कोष बहाल होने से किसी प्रशासक की मृत्यु होने की स्थिति में उसके वारिसों को पूर्व की तरह राहत अनुदान मिल सकेगा। ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से पंचायतों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। ज्ञापन देते वक्त प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा, जिला अध्यक्ष पवन मिश्र, ताकिब रिजवी, गंगा मिश्र, नीरज सिंह, अमजद प्रधान, पारस यादव, प्रदीप चौरसिया, दिनेश धर आदि मौजूद रहे।

घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला, गर्भवती महिलाओं समेत सात घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के रानीगंज गांव में बच्चों के बीच हुए विवाद के बाद दो पक्षों में कहासुनी और मारपीट का मामला सामने आया है। एक परिवार ने गांव के सात लोगों पर घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप लगाया है। घटना में परिवार के कई सदस्य घायल हुए हैं। घायलों में दो गर्भवती महिलाएं भी शामिल बताई गई हैं। पुलिस ने एसपी के निर्देश पर सात नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रानीगंज निवासी रघुवीर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 सितंबर की रात उसके पोता-पोती घर के बाहर खेल रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान गांव के छंगा ने बच्चों के साथ मारपीट और अभद्रता की। बच्चों की आवाज सुनकर रघुवीर मौके पर पहुंचा और उन्हें बचाने का प्रयास किया। आरोप है कि इसके कुछ समय बाद छंगा अपने छह अन्य साथियों के साथ वहां पहुंच गया। इसके बाद परिवार के लोगों से कहासुनी होने लगी।तहरीर के मुताबिक विवाद बढ़ने पर आरोपी कथित तौर पर घर में घुस आए और लाठी-डंडों से परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट शुरू कर दी। रघुवीर के अलावा सियाराम, राजकुमार, पन्नालाल, रंजनी, अंजनी और वीरमती के घायल होने की बात कही गई है। शिकायत में दो गर्भवती महिलाओं के साथ भी मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। वहीं सियाराम के सिर पर धारदार हथियार से चोट पहुंचाने का आरोप भी लगाया गया है।घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए पूरनपुर भेजा गया। चिकित्सकीय जांच के बाद कुछ घायलों को जिला अस्पताल रेफर किए जाने की बात कही गई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर छंगा, वीरपाल, रछपाल, अजय, छोटे, कल्लू और ओमकार के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

माधोटांडा पुलिस ने सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का दिया संदेश, हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को लेकर मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत थाना माधोटांडा क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया गया। मिशन शक्ति टीम ने बालिकाओं, महिलाओं और आमजन से संवाद कर उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया।अभियान के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को बताया कि किसी भी प्रकार की परेशानी, छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा असुरक्षा की स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल पुलिस या संबंधित हेल्पलाइन की मदद ली जाए। टीम ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए भी प्रेरित किया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति टीम ने महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। महिलाओं और बालिकाओं को बताया गया कि 1090 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन पुलिस सहायता, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन तथा 1930 साइबर अपराध से संबंधित सहायता के लिए उपयोग किया जा सकता है। पुलिस टीम ने इन नंबरों का आवश्यकता पड़ने पर इस्तेमाल करने के तरीके के बारे में भी जानकारी दी। पुलिस कर्मियों ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस लगातार अभियान चला रही है। किसी भी घटना को छिपाने के बजाय समय रहते सूचना देने से पुलिस को प्रभावी कार्रवाई करने में मदद मिलती है। टीम ने आमजन से भी अपील की कि महिलाओं और बच्चों से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी होने पर पुलिस को तत्काल सूचित करें। मिशन शक्ति टीम ने बालिकाओं को विशेष रूप से साइबर अपराध से सावधान रहने, अनजान लोगों से इंटरनेट पर निजी जानकारी साझा न करने और किसी संदिग्ध लिंक या संदेश पर प्रतिक्रिया न देने के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं ने पुलिस द्वारा दी गई जानकारी को ध्यानपूर्वक सुना। पुलिस ने स्पष्ट किया कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना है।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में भाषण और चित्रकला प्रतियोगिता हुई आयोजित

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। सेवा संकल्प अभियान के तहत बृहस्पतिवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु में भाषण और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रप्रेम, सेवा भावना, भारतीय संस्कृति और विकसित भारत के विषय पर अपने विचार और रचनात्मकता प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने पहुंचकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि युवा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच मिलने से उनमें रचनात्मकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने भाषण और चित्रों के माध्यम से अपने विचार रखे। विधायक ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, प्रो. नीता यादव, सभासद प्रतिनिधि मनीष जायसवाल और जतिन चौबे सहित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

नवनियुक्त जिला प्रभारी का पीलीभीत में जोरदार स्वागत

परिचय बैठक में संगठनात्मक अभियानों को गति देने पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला प्रभारी हर्षवर्धन आर्य के प्रथम बार पीलीभीत आगमन पर कार्यकताओं ने उत्साह के साथ स्वागत किया। जिला कार्यालय पहुंचने पर कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों और फूल मालाओं से उनका स्वागत किया। इसके बाद भाजपा जिला कार्यालय में कार्यकताओं की परिचय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि जिला प्रभारी हर्षवर्धन आर्य रहे, जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने की। संचालन जिला महामंत्री अनुराग अग्निहोत्री ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी हर्षवर्धन आर्य ने कहा कि कार्यकर्ता भाजपा संगठन की रीढ़ हैं।कार्यकताओं के परिश्रम और सहभागिता के बल पर ही संगठन लगातार जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन के सभी अभियानों और कार्यक्रमों में आपसी समन्वय के साथ सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने वर्तमान में चल रहे सेवा संकल्प अभियान को लेकर भी कार्यकताओं में जोश भरा और जिले को अभियान में प्रदेश स्तर पर शीर्ष स्थान तक पहुंचाने के लिए पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने जिला प्रभारी को भरोसा दिलाया कि पीलीभीत का कार्यकर्ता संगठनात्मक गतिविधियों में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। आगामी अभियानों में भी कार्यकर्ता संगठन को सर्वोपरि रखते हुए उनके मार्गदर्शन में पूरी सक्रियता से कार्य करेंगे। इस दौरान बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, जिला सहकारी बैंक चेयरमैन सत्यपाल गंगवार, नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरुभाग सिंह, जिला महामंत्री मंगली प्रसाद वर्मा, अनुराग अग्निहोत्री, सभ्यता देवी वर्मा समेत जिला पदाधिकारी, मोर्चों के अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत टीबी स्क्रीनिंग कैंप आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला क्षय रोग केंद्र की ओर से गुरुवार को पुराना अस्पताल स्थित न्यू पीएचसी, मोहल्ला शेखचांद में टीबी स्क्रीनिंग कैंप लगाया गया। कैंप में पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के माध्यम से लोगों की टीबी की जांच की गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जोखिम वाले लोगों की स्क्रीनिंग के साथ ही उन्हें टीबी से बचाव और उपचार के प्रति जागरूक किया। कैंप से पहले अस्पताल से संबंधित आशाओं ने मोहल्ले में घर-घर जाकर ऐसे लोगों को चिन्हित किया, जिनमें टीबी का जोखिम अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। इनमें शुगर के मरीज, 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोग, धूम्रपान करने वाले, कुपोषण से प्रभावित व्यक्ति और ऐसे परिवार शामिल रहे, जिनके घर में पहले टीबी का मरीज रह चुका है। चिन्हित लोगों को कैंप में लाकर जांच कराई गई।न्यू पीएचसी के फार्मासिस्ट अमरेश कुमार ने मरीजों का निरीक्षण करने के साथ उनकी काउंसलिंग की। इसके बाद जिला क्षय रोग केंद्र की टीम ने स्क्रीनिंग प्रक्रिया आगे बढ़ाई। सीनियर सुपरवाइजर राजेश कुमार गंगवार और ठाकुर दास की मौजूदगी में एक्स-रे टेक्नीशियन आरती वर्मा ने पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से लोगों की जांच की। कैंप के दौरान कुल 43 लोगों का एक्स-रे किया गया। एक्स-रे जांच में टीबी के संदिग्ध पाए गए 13 लोगों के बलगम के नमूने मौके पर ही फाल्कन ट्यूब में एकत्र किए गए। नमूनों को सीबी-नैट जांच के लिए जिला क्षय रोग केंद्र भेजा गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की स्वास्थ्य संबंधी कार्रवाई की जाएगी।कैंप को सफल बनाने में क्षेत्र की आशा कार्यकताओं सायरा, राधिका गुप्ता, सोनी बाजपेई, गांधारी, सीमा सक्सेना समेत अन्य का विशेष सहयोग रहा।

अमरिया में अकीदत के साथ निकला जुलूस-ए-गौसिया

गौस-ए-आजम की याद में उमड़े अकीदतमंद, अमन-चैन और खुशहाली की मांगी दुआ

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमरिया/पीलीभीत। ग्यारहवीं शरीफ के अवसर पर गुरुवार को अमरिया कस्बे में हजरत गौस-ए-आजम शेख अब्दुल कादिर जीलानी की याद में जुलूस-ए-गौसिया अकीदत और एहतराम के साथ निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की। पूरे मार्ग में धार्मिक नारों और नात-ए-मनकबत की सदाएं गूंजती रहीं।जुलूस का आगाज सिटी कॉलोनी स्थित मदरसा तालीमुल कुरआन परिसर से हुआ। यहां से जुलूस निर्धारित मार्गों से होता हुआ कस्बे के विभिन्न हिस्सों में पहुंचा और बाद में वापस मदरसा परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस के दौरान लोगों ने अनुशासन और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी सहभागिता निभाई। जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया। रास्ते में मस्जिदों पर अकीदतमंदों के लिए तबर्रुक भी वितरित किया गया।इस दौरान मौलाना तारिक रजा मिस्बाही ने हजरत गौस-ए-आजम की शान में नात-ए-मनकबत पेश की। उन्होंने गौस-ए-आजम पीराने पीर दस्तगीर के जीवन और शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए लोगों से नेक रास्ते पर चलने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोगों को नमाज की पाबंदी के साथ अपने माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए तथा उनके साथ भलाई से पेश आना चाहिए।जुलूस के समापन पर देश में अमन-चैन, आपसी भाईचारे, खुशहाली और तरक्की के लिए विशेष दुआ की गई। आयोजकों ने जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग करने वाले लोगों का आभार जताया। जुलूस में मौलाना तारिक रजा मिस्बाही, सलाउद्दीन, हाफिज कारी मोहम्मद कासिम, सय्यद अफसर अली मियां, सय्यद अब्दुल कदीर, डॉ. मोहम्मद अकरम, हाफिज अदील, मौलाना जरकान रजा, मौलाना इरफान, मोअज्जम सबहाती, तसलीम रजा, हाफिज मोहम्मद रेहान, कस्बा व्यापार मंडल अध्यक्ष असगर अली, इमरान कादरी, बाबू खां सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नशीली दवाओं की तस्करी के तीन आरोपी गैंगस्टर एक्ट में गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। मोहाना पुलिस ने नशीली दवाओं की तस्करी के मामले में कार्रवाई की है। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों को 24 सितंबर को सड्डा तिराहे के पास से पकड़ा गया। थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इमरान पुत्र अनवर अली निवासी सिकरी बाजार, थाना मोहाना, सुहेल उर्फ मोहम्मद नसीम शेख पुत्र मोहम्मद रजा शेख निवासी मुडिला, थाना मधुबेनिया, रुपनदेही, नेपाल और विजय शेखर यादव पुत्र प्यारे लाल यादव निवासी चैनपुर, थाना मोहाना के रूप में हुई है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने तीनों के खिलाफ जरूरी कार्रवाई कर उन्हें कोर्ट भेज दिया।

एडिशनल एसपी प्रशांत कुमार ने गुरुवार को पुलिस लाईन के सभागार में प्रेसवार्ता कर उन्होंने बताया कि मोहाना थाने में गैंगस्टर एक्ट का एक मामला दर्ज था। इसमें तीनों आरोपियों की तलाश थी। पुलिस टीम लगातार उन्हें ढूंढ रही थी। इसी दौरान उनके सड्डा तिराहे के पास होने की सूचना मिली। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, घेराबंदी की और तीनों को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार तीनों आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़ा है। मोहाना थाने में साल 2026 में एक मामला दर्ज हुआ था। इसमें कोडीन सिरप और नशीली टैबलेट बरामद हुई थी। इस मामले में इमरान, सुहेल उर्फ मोहम्मद नसीम शेख और विजय शेखर यादव के नाम सामने आए थे।पुलिस के मुताबिक, इसी आपराधिक काम के आधार पर तीनों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। गैंगस्टर एक्ट के मामले में तीनों की तलाश थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें एक साथ पकड़ा। पुलिस की इस कार्रवाई को नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़े आरोपियों पर पुलिस की सख्ती के तौर पर देखा जा रहा है। कार्रवाई करने वाली टीम में चौकी प्रभारी लालपुर उपनिरीक्षक सुदीप कुमार यादव, हेड कांस्टेबल रामयश यादव, आत्मानंद नायक, कांस्टेबल सौरभ कुमार, जयगोविंद और संदीप पासवान शामिल रहे।

बीसलपुर में गूंजा 'या गौस-या गौस', उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब

जुलूस-ए-गौसिया में दिखी आस्था की भव्य तस्वीर, सलातो-सलाम व दुआ के साथ समापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बीसलपुर/पीलीभीत। ग्यारहवीं शरीफ के अवसर पर गुरुवार को नगर में जुलूस- ए-गौसिया अकीदत और धार्मिक उत्साह के साथ निकाला गया। ईदगाह चौराहा स्थित दरगाह हजरत सैयद साहब रहमतुल्लाह अलैह से जुलूस का आगाज हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। पूरे मार्ग में 'नारे तकबीर-अल्लाहु अकबर', 'नारे रिसालत-या रसूल अल्लाह' और 'या गौस-या गौस' की सदाएं गूंजती रहीं।कादरी रजाकार सोसायटी के अध्यक्ष एवं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रदेश सचिव नईम रजा ने जुलूस की जेरे-सरपरस्ती कर रहे कारी मुश्ताक साहब के हाथों में गौसे आजम का परचम सौंपकर जुलूस को रवाना किया। इसके बाद जुलूस निर्धारित मार्गों से आगे बढ़ा। रास्ते भर अकीदतमंद नात-ओ-मनकबत पढ़ते हुए शामिल रहे। मदरसा जामिया बरकातिया मस्जिद कांजियान के सदर हाफिज व कारी शकील अहमद की सरपरस्ती में मदरसे के बच्चों ने जुलूस में नात-ओ-मनकबत पेश की। इमाम जामा मस्जिद मुफ्ती तालिब हुसैन ने गौसे पाक की जिंदगी और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए लोगों से नेक रास्ते पर चलने की अपील की।जुलूस सबसे पहले दरगाह गाजी कमाल शाह रहमतुल्लाह अलैह पहुंचा। यहां सलातो-सलाम, फातिहा और दुआ की गई। इसके बाद सिंघिया रोड स्थित दरगाह मुफ्ती शफी अहमद खान रहमतुल्लाह अलैह पर अकीदतमंदों ने सलातो- सलाम और फातिहा में शिरकत की। बाद में जुलूस शाहजहांपुर रोड होते हुए पुनः ईदगाह चौराहा स्थित दरगाह सैयद साहब पहुंचा। यहां सलातो-सलाम और फातिहा के बाद देश में अम्न- ओ- अमान, आपसी भाईचारे और कौम की सलामती के लिए विशेष दुआ की गई। जुलूस में कारी अजीम, मदरसा गुलशन हसनी बरकातिया के तलबा, वसीम हुसैन, शाहिद हुसैन, मोहम्मद मुबाशिर, मोहम्मद सोहेल, अहमद अनवर अली, सलमान खान, मैनशाद अली, आदिल शेख, इमरान अंसारी पूर्व सभासद, मोहम्मद असलम, शानू साबरी समेत अंजुमन गुलमाने आला हजरत की टीम और हजारों अकीदतमंद शामिल रहे। जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया। शांतिपूर्ण माहौल में जुलूस दुआ के साथ संपन्न हुआ।

पराली जलाने पर अब सख्ती, सेटेलाइट से होगी निगरानी

बुलंदशहर में जागरूकता वाहन रवाना, ग्राम चौपालों और कंट्रोल रूम के जरिए रोकथाम के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। फसल अवशेष एवं पराली प्रबंधन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। गुरुवार को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने किसानों को पराली न जलाने के प्रति जागरूक करने वाले प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वाहन के माध्यम से किसानों को फसल अवशेष न जलाने, पराली का उचित प्रबंधन करने तथा कृषि यंत्रों और वैज्ञानिक विधियों से फसल अवशेष के उपयोग के लिए जागरूक किया जाएगा। इसके बाद कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक हुई। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। वहीं, उप जिलाधिकारियों को तहसील स्तर पर पराली रोकथाम के लिए कंट्रोल रूम स्थापित करने तथा धान की खेती करने वाले किसानों को चिन्हित कर लेखपालों के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया।

16 सितंबर से शुरू हो चुकी सेटेलाइट निगरानी

अधिकारियों के अनुसार भारत सरकार ने पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी के लिए 16 सितंबर से सेटेलाइट निगरानी शुरू कर दी है। पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में बुलंदशहर में सेटेलाइट के माध्यम से पराली जलाने की कुल 32 घटनाएं सामने आई थीं। प्रशासन का लक्ष्य इस बार पराली जलाने की घटनाओं को शून्य करना है।

शासनादेश एवं राष्ट्रीय हरित अधिकरण के प्रावधानों के तहत फसल अवशेष जलाने पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति/अर्थदंड का प्रावधान है। दो एकड़ से कम क्षेत्रफल वाले किसानों पर 5,000 रुपये, दो से पांच एकड़ तक 10,000 रुपये तथा पांच एकड़ से अधिक क्षेत्रफल वाले किसानों पर 30,000 रुपये प्रति घटना तक अर्थदंड लगाया जा सकता है। बैठक में जिला विकास अधिकारी, सीओ सिटी, सभी एसडीएम और खंड विकास अधिकारियों सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। उप कृषि निदेशक बबलू कुमार ने बताया कि किसानों को पराली प्रबंधन के वैकल्पिक तरीकों के प्रति लगातार जागरूक किया जाएगा।

कमालपुर व्यापार मंडल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

व्यापारियों की एकता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत: रमेश अग्रहरि

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

चंदौली। कमालपुर बाजार में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के तत्वावधान में व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित अध्यक्ष आनन्द रस्तोगी सहित महामंत्री, कोषाध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों ने शपथ ली। जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त अग्रहरि ने पदाधिकारियों को व्यापारियों की एकता, सम्मान, सुरक्षा और हितों की रक्षा का संकल्प दिलाया। मुख्य अतिथि विधायक सुशील सिंह ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा और उनकी समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है। जरूरतमंद व्यापारियों को सुरक्षा की दृष्टि से शस्त्र लाइसेंस दिलाने का भी प्रयास किया जाएगा। मुख्य वक्ता वरिष्ठ प्रदेश महामंत्री रमेश अग्रहरि ने कहा कि व्यापारियों की एकता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए संगठन सदैव संघर्षरत रहेगा। जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त अग्रहरि ने कहा कि जिले के सभी बाजारों के व्यापारियों को संगठन से जोड़कर उनके सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के लिए मजबूती से संघर्ष किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री गोपाल उर्फ पिन्टू यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष आनन्द रस्तोगी ने किया। समारोह में बड़ी संख्या में व्यापारी एवं संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

मौन प्रदर्शन से अभाविप ने बुलंद की छात्रहित की आवाज, बीएचयू में धरना दूसरे दिन भी जारी

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में छात्रहित और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़े मुद्दों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। आंदोलन के दूसरे दिन कार्यकर्ताओं ने 'मौन है, परंतु आवाज बुलंद है' संदेश के साथ मौन प्रदर्शन किया। धरने में अभाविप के राष्ट्रीय मंत्री अभय प्रताप सिंह भी शामिल हुए। अभाविप ने चीफ प्रॉक्टर की बर्खास्तगी, प्रोक्टोरियल व्यवस्था में सुधार, छात्रों पर हुई दंडात्मक कार्रवाई की समीक्षा, परिसर की सुरक्षा मजबूत करने और प्रशासनिक मामलों में पारदर्शिता की मांग की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि मौन प्रदर्शन के माध्यम से छात्रों की समस्याओं और मांगों को शांतिपूर्ण तरीके से प्रशासन तक पहुंचाया जा रहा है। इकाई अध्यक्ष पल्लव सुमन और मंत्री अनुराग तिवारी ने कहा कि आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रहित, सुरक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करना इसका उद्देश्य है। मांगों पर ठोस कार्रवाई होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

राजस्थान की पुरातनता से आधुनिकता तक मंथन, बीएचयू में जुटेंगे इतिहासकार

आज ओर कल वैदिक विज्ञान केंद्र में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता होंगे मुख्य अतिथि

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। राजस्थान के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व, कला-संस्कृति और समृद्ध विरासत के साथ समय के साथ हुए सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तनों पर देश-विदेश के इतिहासकार और विशेषज्ञ मंथन करेंगे। वाराणसी इंस्टीट्यूट ऑफ हिस्ट्री द्वारा भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), नई दिल्ली के सहयोग एवं वित्तपोषण से 'राजस्थान : पुरातनता और परिवर्तन' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 25 और 26 सितंबर 2026 को वैदिक विज्ञान केंद्र, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में किया जा रहा है। संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र 25 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित होगा। उद्घाटन सत्र में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रसिद्ध पुरातत्वविद् एवं इतिहासकार डॉ. रीमा हूजा तथा इतिहासकार डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखेंगे। बेल्जियम के प्रसिद्ध इंडोलॉजिस्ट डॉ. कोएनराड एल्स्ट तथा प्रसिद्ध भूगोलविद् प्रो. राणा पी.वी. सिंह विशेष आमंत्रित वक्ता के रूप में संगोष्ठी को संबोधित करेंगे। उद्घाटन सत्र में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के निदेशक डॉ. अभिजीत दीक्षित अध्यक्षीय उद्बोधन देंगे। संगोष्ठी के दूसरे दिन 26 सितंबर को दोपहर एक से दो बजे तक राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), अजमेर के अध्यक्ष कर्नल केसरी सिंह राठौड़ विशेष व्याख्यान देंगे। इसके बाद शाम तीन से पांच बजे तक समापन सत्र आयोजित होगा, जिसमें भारत सरकार के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह राणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। संगोष्ठी के दौरान राजस्थान के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व, कला एवं संस्कृति, सामाजिक संरचना, परंपराओं, विरासत तथा विभिन्न कालखंडों में आए सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञ शोधपरक चर्चा करेंगे। आयोजकों के अनुसार, संगोष्ठी का उद्देश्य राजस्थान की समृद्ध ऐतिहासिक परंपरा और उसकी निरंतर परिवर्तनशील सांस्कृतिक यात्रा को नए शोध एवं अकादमिक दृष्टिकोण से समझना है। संगोष्ठी के संबंध में आयोजित पत्रकार वार्ता को डॉ. कुलदीप कुमार मिश्र, कार्यक्रम की संयोजक एमेरिटस प्रो. अरुणा सिन्हा, डॉ. जय लक्ष्मी कौल और डॉ. दरक्शा सिद्दीकी ने संबोधित किया। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी में देश-विदेश के प्रतिष्ठित इतिहासकार, पुरातत्वविद्, भूगोलविद् और अन्य विषयों के विशेषज्ञ शामिल होंगे तथा राजस्थान की पुरातनता और परिवर्तन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने शोध एवं विचार साझा करेंगे।

डॉ. भोला सिंह को हरियाणा का सह-प्रभारी बनाए जाने पर भाजपा में खुशी

बुलंदशहर (वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री एवं बुलंदशहर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉ. भोला सिंह को हरियाणा प्रदेश का सह-प्रभारी नियुक्त किए जाने पर जिले के भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी। नई जिम्मेदारी पर डॉ. भोला सिंह ने केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि संगठन की ओर से दी गई प्रत्येक जिम्मेदारी उनके लिए सेवा और कर्तव्य का अवसर है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में संगठन को मजबूत करने के लिए प्रदेश नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाकर पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने और कार्यकर्ताओं से निरंतर संवाद को प्राथमिकता बताया। भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने डॉ. भोला सिंह को बधाई देते हुए कहा कि यह बुलंदशहर के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि डॉ. भोला सिंह ने संगठन में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन निष्ठा और समर्पण के साथ किया है। केंद्रीय नेतृत्व द्वारा हरियाणा जैसे महत्वपूर्ण प्रदेश की जिम्मेदारी दिया जाना उनके संगठनात्मक अनुभव का परिचायक है। जिलाध्यक्ष ने विश्वास जताया कि उनके अनुभव से हरियाणा में संगठनात्मक गतिविधियों को गति मिलेगी।

बसपा कैडर कैंप में संगठन मजबूती पर जोर, कार्यकताओं से बूथ स्तर पर सक्रियता की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर लोगला में 23 सितंबर को बहुजन समाज पार्टी का कैडर कैंप आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला पंचायत सदस्य कमल मुर्तजा ने की। कैंप में बूथ और सेक्टर स्तर पर संगठन को मजबूत करने तथा आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने पर चर्चा की गई। बसपा के जिला महासचिव सत्यदेव गौतम ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर प्रदेशभर में सेक्टर स्तर पर कैडर कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ और सेक्टर संगठन को मजबूत करने की अपील की। अपने संबोधन में उन्होंने भाजपा की नीतियों और चुनावी मुद्दों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा महंगाई, बेरोजगारी और अन्य जनसमस्याओं के बजाय धार्मिक एवं सामाजिक मुद्दों को चुनावी चर्चा में अधिक प्रमुखता देती है। उन्होंने आगामी चुनाव से पहले विभिन्न सामाजिक वर्गों को साधने की भाजपा की कोशिशों का भी उल्लेख किया। सत्यदेव गौतम ने कहा कि बसपा सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे की विचारधारा के साथ संगठन को मजबूत कर रही है। उन्होंने पार्टी की पूर्व सरकारों के कार्यकाल को कानून-व्यवस्था और विकास के संदर्भ में बेहतर बताते हुए इसे पार्टी की राजनीतिक उपलब्धि बताया। विधानसभा प्रभारी प्यारेलाल जाटव ने कहा कि बसपा सर्वसमाज की पार्टी है और संगठन में विभिन्न सामाजिक वर्गों को जिम्मेदारियां दी जाती हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी भाईचारा मजबूत करने और बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अनिल प्रधान, रवि निगम, राहुल सागर, महिपाल सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिठाई लेकर लौट रहे युवक की सड़क दुर्घटना गंभीर रूप से घायल

वेलकम इंडिया/फतेह खान

अयोध्या। पटरंगा थाना क्षेत्र में शाहवाज चक और सिठौली के बीच गुरुवार को सड़क दुर्घटना में 29 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे राहगीरों ने एंबुलेंस की मदद से घायल युवक को सीएचसी मवई पहुंचाया। मिली जानकारी के अनुसार पटरंगा थाना क्षेत्र के पुराय गांव निवासी मोहम्मदआमिर पुत्र एहतेशामुल हक अपनी अपाचे बाइक से मिठाई लेने सीवन बाजिदपुर गया था। मिठाई लेकर वापस घर लौटते समय शाहवाज चक और सिठौली के बीच युवक बाइक सहित सड़क पर गिरकर गम्भीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा था। उसी रास्ते गुजर रहे राहगीरों ने युवक को सड़क पर घायल अवस्था मे पड़ा देखते ही भीड़ लग गई। राहगीरों ने तत्काल स्थानीय पुलिस को और मदद के लिए 108 एंबुलेंस को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक मदनपाल तत्काल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और 108 एंबुलेंस से घायल को उपचार के लिए सीएचसी मवई पहुंचाया जहां डाक्टरों उसे ही मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही युवक के परिजनों में कोहराम मच गया।

2027 के रण के लिए सपा ने कसी कमर, श्रीनगर में पीडीए कार्यकर्ता सम्मेलन

रेहान खान के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता पहुंचे, श्यामलाल पाल ने बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने का दिया मंत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

लखीमपुर खीरी। 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र में पीडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। लखीमपुर खीरी से सपा के प्रदेश सचिव रेहान खान भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ सम्मेलन में पहुंचे। श्रीनगर में आयोजित सम्मेलन में ब्लॉक, सेक्टर और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठन की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और बूथ-बूथ पहुंचकर संगठन को मजबूत करने तथा जनता के बीच पार्टी की सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया। श्याम लाल पाल ने कहा कि किसी भी चुनाव में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों और पीडीए से जुड़े मुद्दों को जनता तक पहुंचाने तथा जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने की अपील की। सम्मेलन के दौरान कार्यकर्ताओं में आगामी चुनाव को लेकर उत्साह बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। सपा प्रदेश सचिव रेहान खान ने सम्मेलन में पहुंचे कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए संगठन की मजबूती को प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी की असली ताकत उसके कार्यकर्ता हैं। बूथ से लेकर सेक्टर और ब्लॉक स्तर तक कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय के साथ सक्रिय रहना होगा। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कार्यकर्ता अभी से अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी मजबूती के साथ जुटें और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करें। रेहान खान ने कार्यकर्ताओं से एकजुटता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व जिस प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतारेगा, सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर उसके लिए पूरी ताकत से काम करेंगे। सम्मेलन में मौजूद कार्यकर्ताओं ने भी संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सांसद उत्कर्ष वर्मा, जिला अध्यक्ष, श्रीनगर के पूर्व विधायक सहित अन्य पार्टी नेताओं ने भी संबोधित किया। नेताओं ने बूथ स्तर पर संगठन की सक्रियता बढ़ाने और कार्यकर्ताओं से चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। सम्मेलन के दौरान सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने, जनता के बीच सक्रियता बढ़ाने और 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया।

संशोधित ईपीएफ सीमा और सामाजिक सुरक्षा तंत्र का निर्माण, कदम-दर-कदम आगे बढ़ते हुए: वी. अनंत नागेश्वरन एवं श्रुति सिंह

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। वी. अनंत नागेश्वरन भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं और श्रुति सिंह भारतीय आर्थिक सेवा की अधिकारी हैं। विश्वकर्मा जयंती पर कामगारों और शिल्पकारों का सम्मान करने वाले इस पर्व के अवसर पर सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के लिए वेतन सीमा को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह करने के लंबे समय से लंबित निर्णय की घोषणा की। सवाल उठता है कि सीमा में 10,000 रुपये की वृद्धि से आखिर क्या बदलाव आएगा? इस संशोधन की आवश्यकता क्यों है और इसका कर्मचारी तथा नियोक्ता पर क्या प्रभाव पड़ेगा? आइए, मूल बातों से शुरूआत करते हैं। 25,000 रुपये की यह वैधानिक वेतन सीमा अनिवार्य ईपीएफ, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी जमा-लिंक्ड बीमा (ईडीएलआई) कवरेज के लिए सीमा का काम करती है। ये तीनों योजनाएं भारत में वेतनभोगी कामगारों के सामाजिक सुरक्षा तंत्र का मूल आधार हैं। इनमें सेवानिवृत्ति और आपातकालीन निधि, नियोक्ता के अंशदान से वित्तपोषित पेंशन निधि तथा जीवन बीमा शामिल हैं। जीवन बीमा का उद्देश्य कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में उसके परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है।

ऐसे में सामाजिक सुरक्षा को वर्ष 2014 से स्थिर एक संख्या पर आधारित रखना उचित नहीं है, जबकि इस अवधि में वेतन, न्यूनतम मजदूरी और जीवन-यापन की लागत लगातार बढ़ी है। पिछली वेतन सीमा के तहत 15,000 रुपये से अधिक मासिक वेतन पर नौकरी शुरू करने वाला नया कर्मचारी अनिवार्य ईपीएफ कवरेज से बाहर हो जाता था। वह ईपीएस के लिए पात्र नहीं होता था और ईडीएलआई के संरक्षण से भी वंचित रहता था। हालांकि किसी मौजूदा कर्मचारी का वेतन समय के साथ इस सीमा से अधिक हो जाने पर उसका कवरेज समाप्त नहीं होता था, लेकिन ईपीएस के तहत पेंशन योग्य वेतन 15,000 रुपये पर ही सीमित रहता था।

कोई यह तर्क दे सकता है कि अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारी स्वैच्छिक कवरेज का विकल्प चुन सकते हैं। लेकिन समस्या यह है कि सीमा से अधिक वेतन पर स्वैच्छिक नामांकन के लिए संयुक्त विकल्प के तहत नियोक्ता की सहमति आवश्यक होती है। इससे यह विकल्प सुनिश्चित अधिकार के बजाय बातचीत का विषय बन जाता है। बढ़ी हुई वेतन सीमा के साथ यह कवरेज बातचीत का विषय न रहकर अधिकार के दायरे में आ जाएगी। बढ़ी हुई वेतन सीमा कामगारों से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान नहीं करती, लेकिन यह औपचारिक सामाजिक सुरक्षा तंत्र को अधिक न्यायसंगत और व्यापक जरूर बनाती है। 10,000 रुपये की वृद्धि भले ही मामूली लगे, लेकिन सामाजिक सुरक्षा तंत्र के दायरे में आने वाले अतिरिक्त 51 लाख कामगार संख्या के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। अधिकांश अधिकारों के विपरीत, इस अधिकार का लाभ लेने के लिए कामगार को अपनी ओर से कोई अतिरिक्त प्रयास नहीं करना होगा। मनुष्य अपने भविष्य की कल्पना करने और उसके लिए तैयारी करने में बहुत अच्छे नहीं होते। 65 वर्ष की उम्र में अपने भावी जीवन के लिए कोई बजट नहीं बनाता। हम अक्सर उस छोटे लाभ को चुनते हैं जो तुरंत मिल जाए, बजाय उस बड़े लाभ के जो भविष्य में मिले। व्यवहार अर्थशास्त्र में इसे ह्यहाइपरबोलिक डिस्काउंटिंगह्ल कहा जाता है। परिणामस्वरूप सीमित आय में तत्काल उपभोग की जरूरतों को पूरा करने की तुलना में भविष्य के लिए बचत और योजना बनाना अधिक कठिन होता है। यही कारण है कि ईपीएफओ द्वारा संचालित अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा अंशदान जैसी व्यवस्थाओं की रूपरेखा महत्वपूर्ण है। यह बचत के लिए कामगार की इच्छा या इच्छाशक्ति पर निर्भर किए बिना काम करती है।

आय के कामगार के खाते में पहुंचने से पहले ही पेंशन के लिए अंशदान अलग रख दिया जाता है। जो पैसा कभी दिखाई ही नहीं देता, उसे खर्च करना संभव नहीं होता। धीरे-धीरे हर महीने वेतन का एक छोटा हिस्सा अलग रखा जाता है, जिससे सेवानिवृत्ति निधि तैयार होती है। जरूरत पड़ने पर इस निधि का उपयोग आपातकालीन परिस्थितियों में भी किया जा सकता है। इसके साथ जीवन बीमा का कवरेज भी मिलता है और इसके लिए कर्मचारी को अपनी ओर से अतिरिक्त प्रयास नहीं करना पड़ता। हालांकि इस संशोधन के साथ नियोक्ताओं के लिए एक लागत भी जुड़ी हुई है। अनिवार्य वेतन सीमा बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने के साथ नियोक्ताओं को अधिक संख्या में कर्मचारियों को वैधानिक ईपीएफ कवरेज प्रदान करना होगा और उनके मासिक अंशदान संबंधी दायित्व भी बढ़ेंगे। उदाहरण के लिए 22,000 रुपये प्रति माह कमाने वाला ऐसा कर्मचारी, जो पहले अनिवार्य कवरेज से बाहर था, अब वैधानिक रूप से ईपीएफ कवरेज के दायरे में आएगा। नियोक्ता के लिए इस कर्मचारी को ईपीएफ कवरेज प्रदान करना अनिवार्य होगा। नियोक्ता को वेतन का 12 प्रतिशत अंशदान करना होगा, जो ईपीएस और कर्मचारी के ईपीएफ खाते के बीच विभाजित होगा। यह राशि प्रति कर्मचारी प्रति माह 2,640 रुपये या सालाना 31,680 रुपये होगी। ऐसे 20 कर्मचारियों के मामले में यह अतिरिक्त पेरोल लागत के रूप में प्रति वर्ष 6,33,600 रुपये होगी। इसके अलावा ईडीएलआई बीमा अंशदान भी होगा। राशि भले ही छोटी हो, लेकिन अब इसकी गणना अधिक वेतन आधार पर की जाएगी। नियुक्ति संबंधी निर्णय लेते समय यह नियोक्ताओं के लिए वास्तविक लागत है। अधिक लागत कंपनी के लिए एक स्पष्ट निष्कर्ष प्रतीत होती है, लेकिन यह केवल प्रारंभिक प्रभाव है। रोजगार बाजार इससे कहीं अधिक जटिल है। अधिक ईपीएफ कवरेज भर्ती के लिए सकारात्मक संकेत के रूप में काम कर सकता है, जिससे अधिक कुशल और अधिक कार्य-क्षमता वाले कामगार आकर्षित हो सकते हैं। नए कर्मचारी किसी नौकरी का मूल्यांकन करते समय केवल मासिक वेतन को ही ध्यान में नहीं रखते। यह कवरेज कर्मचारियों को लंबे समय तक बनाए रखने में भी सहायक हो सकती है। पेंशन और बीमा लाभ वाला कामगार संभवतः अधिक समय तक नौकरी में बना रह सकता है और नौकरी की शुरूआत अधिक सुरक्षा के साथ कर सकता है।

महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज, गोविंदपुरी, मोदीनगर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों की भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपने सपनों के भारत की परिकल्पना को रंगों एवं रचनात्मक चित्रों के माध्यम से आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रदर्शनी का शुभारंभ भोजपुर ब्लॉक की ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचेता सिंह ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए पोस्टरों का अवलोकन करते हुए उनकी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता एवं राष्ट्र के प्रति सकारात्मक सोच की सराहना की। विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

प्रदर्शनी के आयोजन एवं व्यवस्थाओं में श्रीमती संगीता सिंह एवं श्रीमती नीलम का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक रवि भूषण गौतम, विजय कुमार, सतीश कुमार, सौरभ त्यागी, श्रीमती अनीता ढाका, श्रीमती कल्पना वर्मा, श्रीमती मीनाक्षी अरोड़ा सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सहयोग रहा।

विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. अंशु सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों की कल्पनाओं में दिखाई देने वाला भारत ही भविष्य के भारत की नींव है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों में रचनात्मकता के साथ-साथ राष्ट्रप्रेम, सामाजिक जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।

उन्होंने प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं सहयोगी शिक्षकों को बधाई दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही और प्रदर्शनी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

पुठरी में सैनी समाज की बैठक, राष्ट्रीय लोकदल को मजबूत करने पर हुई चर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। सिवालखास ग्राम पुठरी में कुंवरपाल सैनी के आवास पर सैनी समाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता गोपाल सैनी ने की तथा संचालन दिनेश पाल पुठ ने किया। बैठक में राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रदेश महासचिव रणवीर दहिया जी का सैनी समाज के लोगों द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए रणवीर दहिया ने राष्ट्रीय लोकदल को मजबूत करने तथा संगठन के विस्तार को लेकर अपने विचार रखे और उपस्थित लोगों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राष्ट्रीय लोकदल के महासचिव बिट्टू खंजरपुर जी एवं रालोद नेता रवि भारत चिकारा ने भी बैठक को संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत करने तथा समाज की भागीदारी को लेकर अपने विचार रखे। बैठक में सैनी समाज के लोगों ने क्षेत्र एवं समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा संगठन के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर अपनी भूमिका निभाने को लेकर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर रवि भारत चिकारा, बिट्टू खंजरपुर, फिरोज, तेजपाल सिंह, ईश्वर सैनी, सुरेश सैनी, रामपाल सैनी, दया चंद सैनी, दिपांशु सैनी, प्रतीक कुमार सैनी, प्रशांत सैनी, पीसी सैनी, सौरभ सैनी, तारा चंद सैनी, वेद प्रकाश सैनी, राजेश कुमार सैनी, राजपाल सैनी, महेंद्र सैनी, योगेश सैनी, श्रीपाल सैनी, संत राम सैनी, सत्तू सैनी, अशोक सैनी, मुकेश सैनी, ब्रह्म सैनी एवं बिरम सैनी सहित सैनी समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पी०बी०ए०एस कन्या इंटर कॉलेज में अलंकरण समारोह व पोस्टर प्रदर्शनी लगाई गई

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तुलसी राम माहेश्वरी पी०बी०ए०एस कन्या इन्टर कॉलेज में छात्राओं का अलंकरण समारोह तथा सेवा संकल्प अभियान के तहत छात्राओं द्वारा बनाए गए पोस्टरों की प्रदर्शनी लगाई गई। इस कार्यक्रम में डॉक्टर मंजू शिवाच (विधायिका), विनोद वैशाली (चेयरमैन) विद्यालय प्रबन्ध समिति के गौरव माहेश्वरी व राधिका माहेश्वरी उपस्थित रहे। जिनका प्रधानाचर्या डा० संगीता शर्मा द्वारा बुके व माला देकर स्वागत किया।

आए हुए अतिथियों ने छात्राओ द्वारा बनाए गए पोस्टर व उनकी रचनात्मकता की सराहना व प्रशंसा की कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए छात्राओं को जिम्मेदारी सौंप कर शपथ ग्रहण समारोह कराया गया। प्रधानचार्या डा० संगीता शर्मा ने छात्राओं को प्रोत्साहित किया व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने पूर्ण सहयोग किया।

एम एम कालेज में भाषण प्रतियोगिता आयोजित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुल्तानी मल मोदी कॉलेज, मोदीनगर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जागरूकता एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से 'विकसित भारत की संकल्पना एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएँ' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और विकसित भारत की संकल्पना, युवा शक्ति की भूमिका तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रो दीपशिखा, डॉ. सुनीता सिरोही, डॉ. ममता गुप्ता, डॉ. राजकुमार रहे। निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों के विषय-वस्तु, अभिव्यक्ति, भाषा, आत्मविश्वास एवं प्रस्तुतीकरण के आधार पर मूल्यांकन किया गया।

प्रथम स्थान शिवाजी, द्वितीय स्थान जेबा सैफी तथा तृतीय स्थान नंदनी ने प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त सातवाँ स्थान आँचल एवं जागृति गुप्ता ने प्राप्त किया। सभी विजेता प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कोमल गुप्ता किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी डॉ. रविंद्र कुमार, डॉ. वीरेंद्र कुमार, डॉ. कोमल गुप्ता, डॉ शिवांगी त्रिवेदी, रोवर-रेंजर्स अधिकारी डॉ. नीटू कुमार कश्यप के साथ, डॉ. अनुज मौर्य, डॉ. शिव प्रकाश एवं अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संस्कृति समिति के समन्वयक डॉ. मयंक मोहन का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम संयोजक डॉ कोमल गुप्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो वंदना शर्मा, निर्णायक मंडल, प्रतिभागी, शिक्षकगण एवं आयोजन से जुड़े सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

20 लाख लेकर फ्लैट की मरम्मत छोड़ी, ठेकेदार हुआ फरार

वेलकम इंडिया संवाददाता

ट्रांस हिंडन। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के वसुंधरा सेक्टर-छह स्थित शिक्षा अपार्टमेंट में फ्लैट की मरम्मत और इंटीरियर का ठेका लेने के बाद करीब 19 लाख रुपये से अधिक भुगतान प्राप्त कर काम बंद कर फरार होने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिक्षा अपार्टमेंट निवासी अजय कुमार अग्रवाल ने पुलिस को बताया कि उन्हें अपने फ्लैट में मरम्मत और इंटीरियर का काम करवाना था। जनवरी 2026 में उन्होंने गौतमबुद्ध नगर के बिसरख निवासी मोहम्मद आकिल अहमद को 20.60 लाख रुपये में काम का ठेका दिया था। आकिल ने जनवरी में काम शुरू कर दिया, लेकिन कुछ दिन बाद ही वह लगातार रुपये की मांग करने लगा। अजय कुमार के मुताबिक ठेकेदार के दबाव के बाद उन्होंने बैंक से रकम निकालकर मार्च में ऑनलाइन और नकद माध्यम से आकिल को 19 लाख रुपये से अधिक का भुगतान कर दिया। रकम मिलने के बाद आकिल ने काम करना बंद कर दिया। पीड़ित ने कई बार काम दोबारा शुरू करने के लिए कहा, लेकिन हर बार उसे जल्द काम शुरू करने का आश्वासन दिया गया। काफी समय बीतने के बाद भी काम शुरू नहीं होने पर अजय ने ठेकेदार से अपनी रकम वापस मांगी। आरोप है कि रकम लौटाने के बजाय आकिल ने उन्हें धमकी दी। इसके बाद पीड़ित ने इंदिरापुरम थाने में शिकायत दर्ज कराई।

तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में इनर व्हील क्लब द्वारा वाद-विवाद प्रतियोगिता का सफल आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में विद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 'इनर व्हील क्लब ऑफ मोदीनगर' के सौजन्य से एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य विषय 'आधुनिकता के दौर में अपने संस्कारों और नैतिक मूल्यों से दूर होती आज की पीढ़ी' रहा, जिस पर विद्यार्थियों ने अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की शिक्षा निर्देशिका (एजुकेशन डायरेक्टर) श्रीमती राधिका माहेश्वरी, मुख्य अतिथियों एवं पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन, स्वागत तथा छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक एवं सुंदर सरस्वती वंदना नृत्य के साथ हुआ। कार्यक्रम में इनर व्हील क्लब की प्रेसिडेंट नीता माहेश्वरी तथा क्लब सेक्रेटरी रेनू गुप्ता अपनी पूरी टीम व सदस्यों के साथ मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। इसके साथ ही अनु माहेश्वरी ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहाःप्रथम पुरस्कारः साक्षी कुमारी, द्वितीय पुरस्कारः श्रद्धा,तृतीय पुरस्कारः दीक्षा गौतम एवं आशी सिंहल (संयुक्त रूप से),सांत्वना पुरस्कार राशि, तृषा एवं सिया। सम्पूर्ण कार्यक्रम के मंच का कुशल संचालन कंवल भुटानी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी ने इनर व्हील क्लब की टीम, सदस्यों, निर्णायक मंडल एवं सभी अतिथियों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'आधुनिकता और तकनीक के इस दौर में प्रगति करना अत्यंत आवश्यक है, परंतु हमें अपनी जड़ों, समृद्ध संस्कृति और नैतिक मूल्यों को कभी नहीं भूलना चाहिए। संस्कार ही मनुष्य के चरित्र का निर्माण करते हैं और विपत्ति के समय सही मार्ग दिखाते हैं।'

संजय गांधी बालिका इंटर कॉलेज में 'मेरे सपनों का भारत' प्रतियोगिता, छात्राओं को किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। निवाड़ी स्तिथ संजय गांधी बालिका इंटर कॉलेज में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए पेंटिंग, पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका सदस्य नितिन त्यागी एवं उनकी टीम मौजूद रही। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। छात्राओं द्वारा तैयार किए गए पोस्टर एवं पेंटिंग में उनकी रचनात्मक सोच और भारत के प्रति उनकी कल्पनाओं को दशार्या गया।कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्या अनीता शर्मा ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उन्हें अपने विचार व्यक्त करने का अवसर भी देती हैं। उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित एमडीआर शुल्क के खिलाफ व्यापार मंडल का ज्ञापन सौंपा

छोटे व्यापारियों को राहत देने की मांग

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने 15 अक्टूबर 2026 से 2,000 से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' (एमडीआर) को लेकर चिंता व्यक्त की है। संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी को प्रस्तुत कर छोटे और फुटकर व्यापारियों के व्यावहारिक हितों की रक्षा की मांग की है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमित गोयल एवं महामंत्री निर्दोष खटाना के नेतृत्व में व्यापारी तहसील मुख्यालय पहुंचे और एक ज्ञापन प्रधानमंत्री के नाम उपजिलाधिकारी को सौंपा। व्यापारियों का कहना है कि, देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने में यूपीआई ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। हालांकि, छोटे, मध्यम और फुटकर व्यापारियों का लाभ मार्जिन बेहद सीमित होता है। ऐसे में एमडीआर का अतिरिक्त आर्थिक बोझ व्यापारियों की लागत बढ़ाएगा। इसके कारण डिजिटल भुगतान के प्रति झिझक पैदा हो सकती है और लोग पुनः नकद लेन-देन की ओर लौट सकते हैं। व्यापारियों ने मांग की है कि छोटे व्यापारियों के लिए यूपीआई भुगतान व्यवस्था को पूरी तरह से शुल्क-मुक्त रखा जाए। यदि शुल्क आवश्यक ही हो, तो व्यापारियों के वास्तविक कारोबार और स्वरूप को ध्यान में रखते हुए नीति बनाई जाए। संगठन ने सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है।

विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक जननेताओं के लिए एक नया मंच ऑल इंडिया पंचायती राज संगठन-ब्रजवीर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। ऑल इंडिया पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रजवीर दहिया ने कहा कि अच्छी मेहनत, जनसंपर्क और जनता के बीच वर्षों की सक्रियता के बावजूद यदि राजनीतिक दल से टिकट नहीं मिल पाया है, तो चुनावी तैयारी का रास्ता यहीं समाप्त नहीं होता।

ऑल इंडिया पंचायती राज संगठन अपने लंबे पंचायत-स्तरीय नेटवर्क और ग्रामीण नेतृत्व से जुड़े संपर्कों के माध्यम से ऐसे इच्छुक जननेताओं के लिए संगठनात्मक सहयोग और जमीनी संपर्क का मंच तैयार कर रहा है।

संगठन से जुड़े प्रधान, पूर्व प्रधान, बीडीसी, जिला पंचायत प्रतिनिधि, पंचायत कार्यकर्ता तथा गांव-स्तर के सक्रिय लोग विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध हैं।

इस नेटवर्क के माध्यम से विधानसभा क्षेत्र में गांव-दर-गांव संपर्क, स्थानीय नेतृत्व से संवाद और जनसंपर्क के लिए संगठनात्मक आधार तैयार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया पंचायती राज संगठन के साथ आपको मिलेगा लंबा पंचायत नेटवर्क, गांव-स्तरीय संपर्क, स्थानीय नेतृत्व से संवाद, संगठनात्मक सहयोग, जनसंपर्क के लिए तैयार ग्रामीण आधार है।

ब्रजवीर दहिया ने कहा कि यदि आप विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं और अपने क्षेत्र में सक्रिय जनसंपर्क रखते हैं, तो ऑल इंडिया पंचायती राज संगठन के इस जननेतृत्व अभियान में अपनी भूमिका के लिए आगे आएं।

किताबों से सजी हिंदी की दुनिया, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में हिंदी पुस्तक मेला एवं पोस्टर-कैलीग्राफी प्रदर्शनी का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और कार्यालयीन कार्यों में इसके प्रभावी कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हापुड़ चुंगी स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत बुधवार को हिंदी पुस्तक मेला एवं हिंदी पोस्टर-कैलीग्राफी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में हिंदी साहित्य की पुस्तकों, हस्तलिखित पोस्टरों और आकर्षक कैलीग्राफी नमूनों ने लोगों का ध्यान खींचा। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य आयकर आयुक्त गाजियाबाद शेफाली स्वरूप ने क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी संजना आर्य की उपस्थिति में किया।

प्रदर्शनी में साहित्य, संस्कृति, इतिहास, समाज, व्यक्तित्व विकास सहित विभिन्न विषयों से संबंधित हिंदी पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों द्वारा तैयार किए गए हिंदी पोस्टरों और कैलीग्राफी के नमूनों को भी प्रदर्शनी में स्थान दिया गया।

सुंदर अक्षरों में लिखे संदेशों और रचनात्मक पोस्टरों के माध्यम से हिंदी भाषा के प्रति रचनात्मक जुड़ाव को प्रदर्शित किया गया। मुख्य आयकर आयुक्त शेफाली स्वरूप ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक विविधता और भावनात्मक एकता से जुड़ी भाषा है। हिंदी को बढ़ावा देने के लिए केवल औपचारिक आयोजनों तक सीमित रहने के बजाय दैनिक जीवन और कार्यालयीन कार्यों में भी इसके प्रयोग को सहज बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि भाषा जितनी अधिक व्यवहार में आएगी, उतनी ही मजबूती से समाज में उसका विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि पुस्तकों का अध्ययन व्यक्ति के ज्ञान और विचारों का विस्तार करता है। डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के बावजूद पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है। हिंदी पुस्तक मेले जैसे आयोजन लोगों को साहित्य से जोड़ने और पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने प्रदर्शनी में लगाए गए पोस्टरों और कैलीग्राफी की सराहना करते हुए कहा कि रचनात्मकता के माध्यम से भाषा को और आकर्षक बनाया जा सकता है। शेफाली स्वरूप ने कहा कि हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए सरकारी कार्यालयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। कार्यालयीन पत्राचार, अभिलेख और जनसंचार में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग से आम नागरिकों के साथ संवाद आसान और प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय की पहल की सराहना की।

क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी संजना आर्य ने कहा कि राजभाषा हिंदी को प्रोत्साहित करना केवल एक प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि भाषा के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि कार्यालय में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए कर्मचारियों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। हिंदी में कामकाज को सरल और सहज बनाने के साथ-साथ कर्मचारियों में हिंदी के प्रति रुचि पैदा करना भी जरूरी है। संजना आर्य ने कहा कि हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों का उद्देश्य कर्मचारियों को हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित करना है।

इंदिरापुरम में मुठभेड़, वांछित स्नैचर गिरफ्तार; चोरी की बाइक और तमंचा बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंदिरापुरम थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में वांछित स्नैचर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल, 315 बोर का अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और पीली धातु का एक टुकड़ा बरामद हुआ है।

पुलिस के अनुसार 23 सितंबर को सेक्टर-1 वसुंधरा टी-पॉइंट पर संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान हिंडन की ओर से बाइक सवार युवक आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह बाइक मोड़कर भागने लगा। पीछा करने पर खुद को घिरा देख आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हो गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आमिर अली उर्फ अमन निवासी चिल्ला गांव, मयूर विहार फेस-1, दिल्ली बताया। उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी इंदिरापुरम थाने में दर्ज मुकदमे में वांछित था। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

यमुना एक्सप्रेसवे बस अग्निकांड में बड़ी कार्रवाई, दो चालक और कंडक्टर गिरफ्तार

बस बनी आग का गोला, नौ यात्रियों की मौत; दो ड्राइवर समेत तीन गिरफ्तार

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। यमुना एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस में आग लगने से नौ यात्रियों की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो बस चालकों और एक कंडक्टर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पवन, विनोद और कंडक्टर योगेश के रूप में हुई है।

बुधवार देर रात दयानतपुर गांव के पास जीरो प्वाइंट से करीब 32 किलोमीटर आगे राज कल्पना ट्रैवल्स की डबल डेकर एसी स्लीपर बस में अचानक भीषण आग लग गई थी।

बस दिल्ली/नोएडा से महोबा जा रही थी और उसमें करीब 35 से 40 यात्री सवार बताए गए थे। आग लगते ही बस में अफरा-तफरी मच गई। कई यात्रियों ने खिड़कियों से कूदकर जान बचाई, जबकि नौ यात्री अंदर फंस गए।

दमकल की कई गाड़ियों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने बस के दोनों चालकों और कंडक्टर को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा पटाखे जैसी आवाजें सुनाई देने की बात भी सामने आई है। पुलिस आग लगने के वास्तविक कारणों समेत अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

क्रिकेट स्टेडियम, हरनन्दीपुरम और टाउनशिप पर मुहर, विकास की नई राह पर गाजियाबाद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जीडीए की 174वीं बोर्ड बैठक में शहर के विकास से जुड़े कई बड़े प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। आयुक्त मेरठ मंडल एवं जीडीए बोर्ड अध्यक्ष भानु चंद्र गोस्वामी की अध्यक्षता में हुई बैठक में आवासीय, औद्योगिक, वाणिज्यिक, अवस्थापना और खेल सुविधाओं से संबंधित योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में 501.2173 हेक्टेयर में प्रस्तावित हरनन्दीपुरम आवासीय योजना को आगे बढ़ाने के साथ प्रथम चरण में 24.1213 हेक्टेयर भूमि के भू-उपयोग परिवर्तन को स्वीकृति मिली।

वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के लिए लैंड पूलिंग, ड्राफ्ट एमओयू और फीजिबिलिटी रिपोर्ट की कार्रवाई को भी मंजूरी दी गई। इन्दिरापुरम में 5,965.29 वर्गमीटर भूमि को आवासीय उपयोग में लाने, कोयल एन्क्लेव व इन्द्रप्रस्थ में प्लॉटेड डेवलपमेंट और सनसिटी टाउनशिप के प्रथम चरण को भी हरी झंडी मिली।

हसनपुर लोढ़ा में 13.1568 हेक्टेयर भूमि औद्योगिक उपयोग में बदलने तथा मधुबन-बापूधाम में निमार्णाधीन 198 दो-BHK भवनों की ई-नीलामी के प्रस्ताव को भी बोर्ड ने मंजूरी प्रदान की।

चित्रों में सजा 'मेरे सपनों का भारत, मीना मेले में बच्चों ने दिखाया हुनर

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। पीएम श्री विद्यालय मोरटी, रजापुर में मीना मंच के अंतर्गत मीना का जन्मदिन एवं मीना मेले का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी रचनात्मकता, प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने भी मेले में बढ़-चढ़कर भाग लिया और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की शुरूआत 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर बच्चों द्वारा तैयार की गई चित्रकला प्रदर्शनी से हुई। बच्चों ने चित्रों के माध्यम से अपने सपनों के भारत की कल्पना को रंगों में उकेरा। अभिभावकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों की रचनात्मक सोच और प्रतिभा की सराहना की। इसके बाद केक काटकर मीना का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया।

अधिग्रहण रद्द, फिर भी GDA की कार्रवाई! किसानों ने हाईकोर्ट में दाखिल किया अवमानना वाद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ग्राम कनावनी के किसानों का राजस्व अभिलेखों में नाम बहाल कराने की मांग को लेकर चल रहा धरना गुरुवार को 42वें दिन भी जारी रहा। किसानों का आरोप है कि अधिग्रहण की कार्रवाई समाप्त होने के बावजूद गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) की ओर से आगे की कार्रवाई जारी रखने का प्रयास किया जा रहा है। इसके विरोध में किसानों ने हाईकोर्ट में अवमानना वाद दाखिल किया है। किसानों के अनुसार, हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया मामले को अवमानना से संबंधित मानते हुए GDA उपाध्यक्ष, एडीएम भू-अर्जन समेत संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। किसानों का कहना है कि निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बाद राजस्व अभिलेखों में उनके नाम बहाल किए जाने चाहिए। किसान परवीन नागर ने कहा कि अब उनकी मुख्य मांग मुआवजा नहीं, बल्कि खतौनी में नाम बहाली है। जब तक नाम बहाल नहीं होंगे, धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। धरने में चतर सिंह नागर, श्रीचंद नागर, गजेंद्र नागर, सतीश नागर, विनोद नागर समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

हॉर्न बजाने पर भड़के लोग, कार सवार को खींचकर पीटा; दुकानदारों पर भी हमला

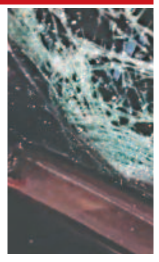

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मुरादनगर थाना क्षेत्र में दिल्ली-मेरठ मार्ग पर एचएलएम कॉलेज के पास गणेश विसर्जन के दौरान हॉर्न बजाने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि सैतली निवासी प्रखर त्यागी ड्यूटी समाप्त कर क्रेटा कार से घर लौट रहे थे। भीड़ को रास्ता देने के लिए हॉर्न बजाने पर वहां मौजूद करीब 15 से 20 लोग भड़क गए और उनकी कार पर हमला कर दिया।

प्रखर ने मौके से निकलने का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने मोटरसाइकिलों से कार का पीछा किया। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर नाली में जा गिरी। आरोप है कि हमलावरों ने प्रखर को कार से बाहर खींचकर लात-घूंसों से पीटा। पीड़ित ने सोने की चेन, 25 हजार रुपये और आईफोन-13 लूटने का भी आरोप लगाया है।

बीच-बचाव करने पहुंचे चाय दुकानदार ज्ञानेश्वर और उनके बेटे अंकित व विनय के साथ भी मारपीट की गई।

घटना में घायल सभी लोगों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस को मामले की सूचना दी गई है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है।

स्क्रैपिंग सेंटर में मिली खामियां, रिकॉर्ड दुरुस्त रखने के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। NCR में आयु सीमा पूरी कर चुके End of Life (EOL) वाहनों की स्क्रैपिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता और अभिलेखों की व्यवस्था जांचने के लिए परिवहन विभाग की टीम ने अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर का निरीक्षण किया। 23 सितंबर को एआरटीओ (प्रवर्तन) विनीत कुमार मिश्र और अंकिता शुक्ला ने मोदीनगर के ग्राम मोहिउद्दीनपुर स्थित सेवन स्टार ऑटो स्क्रैपिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का संयुक्त निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने वाहनों की स्क्रैपिंग, प्रवेश-निकास, पार्किंग, CCTV निगरानी और अभिलेखों की स्थिति की जानकारी ली। संस्था को सभी वाहनों का रिकॉर्ड डिजिटल और निर्धारित प्रारूप में अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। वाहन स्वामियों को देय राशि का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने और भुगतान संबंधी साक्ष्य सुरक्षित रखने को कहा गया।

निरीक्षण में कुछ वाहनों की पत्रावलियों में COD भुगतान प्रमाण-पत्र संलग्न नहीं मिले, जबकि पोर्टल पर उपलब्ध थे। अधिकारियों ने प्रमाण-पत्रों को संबंधित फाइलों में अनिवार्य रूप से सुरक्षित रखने और पोर्टल व भौतिक रिकॉर्ड में पूर्ण सामंजस्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

टीबी मुक्त भारत के लिए सभी विभाग मिलकर करें प्रयास, जागरूकता पर जोर

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP) के तत्वावधान में PSI India के सहयोग से बुधवार को जनपद स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने की। इसमें विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि टीबी जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन के लिए सभी विभागों और समुदाय का सामूहिक सहयोग जरूरी है। उन्होंने अभियान के दौरान संभावित मरीजों की पहचान, समय पर जांच और उपचार से जोड़ने के साथ जन-जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनिल यादव ने कहा कि टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए समय पर जांच और उपचार के साथ विभागीय समन्वय आवश्यक है। कार्यशाला में पंचायती राज, बाल विकास एवं पुष्टाहार, शिक्षा, श्रम, खाद्य एवं रसद, नगरीय निकाय और आईएमए सहित विभिन्न विभागों की भूमिका पर चर्चा हुई।

डब्ल्यूएचओ सलाहकार डॉ. अरविंद ने टीबी उन्मूलन से जुड़े विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिया। संचालन जिला कार्यक्रम समन्वयक राघवेन्द्र सिंह चौहान ने किया। कार्यक्रम में क्षय रोग विभाग, साथी फाउंडेशन, ड्रगिस्ट एवं केमिस्ट एसोसिएशन तथा PSI India के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की।

मॉल के बाहर शराब पी रहे युवकों को गाड़ी हटाने को कहा, युवक को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा; एक गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंदिरापुरम के पॉश इलाके में मॉल के बाहर रोडरेज का मामला सामने आया है। सड़क पर ऑडी कार खड़ी कर शराब पी रहे युवकों को गाड़ी हटाने के लिए कहना एक युवक को भारी पड़ गया।

आरोप है कि कार सवार युवकों ने कार्तिक के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और उसे सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पीड़ित कार्तिक ने 24 सितंबर को थाना इंदिरापुरम में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तत्काल टीम गठित की।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी राहुल मोहन पुत्र स्व. कैलाश मोहन, निवासी शक्ति खंड-4, इंदिरापुरम, उम्र करीब 30 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ऑडी कार को भी सीज कर दिया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मंगलसूत्र छीनकर भागा बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना कविनगर पुलिस ने स्नैचिंग की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, सोने की टिक्की और वारदात में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक, 11 सितंबर को आरके पुरम, गोविंदपुरम निवासी महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि सफेद स्कूटी सवार दो अज्ञात युवकों ने उसके गले से करीब पांच ग्राम वजन का सोने का मंगलसूत्र छीन लिया और फरार हो गए। शिकायत के आधार पर थाना कविनगर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी दौरान पुलिस की आरोपी से मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार आरोपी ने टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। बरामद सामान के आधार पर पुलिस आरोपी से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

कलम की ताकत से समाज को नई दिशा, पत्रकारिता व सामाजिक क्षेत्र की हस्तियां हुईं सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस मोहन नगर में गुरुवार को न्यूजपेपर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से गुरुवार को 13वें 'कलम के सिपाही' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चाणक्य सभागार में आयोजित समारोह में पत्रकारिता, शिक्षा, मीडिया और सामाजिक जीवन में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सांसद अतुल गर्ग, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप, अपर पुलिस आयुक्त गाजियाबाद केशव कुमार चौधरी, आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के उपाध्यक्ष अरपित चड्ढा, न्यूजपेपर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आर. बालाजी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में करीब 625 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं अभिनंदन के साथ हुआ। आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के उपाध्यक्ष अरपित चड्ढा, आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक प्रो. डॉ. अजय कुमार तथा न्यूजपेपर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव विपिन गौर ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद अरपित चड्ढा का भी सम्मान किया गया।

स्वागत संबोधन में प्रो. डॉ. अजय कुमार ने कहा कि बदलते दौर में पत्रकारिता के सामने नई चुनौतियां हैं। एक सशक्त पत्रकार के लिए आंकड़ों पर आधारित पत्रकारिता और सामाजिक माध्यमों से जुड़ी पत्रकारिता के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है, ताकि समयबद्ध और सटीक जानकारी समाज तक पहुंचाई जा सके। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में सत्य के प्रति प्रतिबद्धता, नैतिक मूल्यों का पालन और विश्वसनीयता बनाए रखना बेहद आवश्यक है।

इन्हीं मूल्यों के कारण पत्रकारिता आज भी समाज की विश्वसनीय आवाज बनी हुई है। सांसद अतुल गर्ग ने पत्रकारिता के प्रभाव और जिम्मेदारी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाचार का उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ कमाना नहीं होना चाहिए। पत्रकारिता का दायित्व समाज की सेवा करना, सत्य को सामने लाना, जिनकी आवाज नहीं सुनी जाती उनकी आवाज बनना और जनहित की रक्षा करना भी है। उन्होंने पत्रकारिता के प्रभाव को समझाने के लिए एक प्रसंग का उल्लेख किया, जिसमें मीडिया की एक खबर ने प्रधानमंत्री से जुड़े महत्वपूर्ण राजनीतिक निर्णय को प्रभावित किया था।

उन्होंने मानव तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक चुनौतियों के समय मीडिया की जिम्मेदारी का भी उल्लेख किया। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने सभी पुरस्कार प्राप्तकताओं को बधाई देते हुए कार्यक्रम के आयोजन के लिए न्यूजपेपर एसोसिएशन ऑफ इंडिया का आभार जताया। उन्होंने कहा कि समाज की सच्चाई को सामने लाने और उसे आमजन तक पहुंचाने में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। जन-जागरूकता पैदा करने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में कलम की शक्ति आज भी महत्वपूर्ण है।